केन्द्रीय विद्यालय संगठन

परीक्षा पे चर्चा-2026

शाला ध्वनि

KVS News

January-March 2026

A Heartfelt Conversation with Our Hon'ble Prime Minister

Dev Mogra, Gujarat

Raipur, Chhattisgarh

Guwahati, Assam

Coimbatore, Tamil Nadu

New Delhi

परीक्षा पे चर्चा-2026

एपिसोड-।

आत्मविश्वास, संतुलन और संकल्पः मा. प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

नई दिल्ली, 6 फरवरी 2026: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के अंतर्गत नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर विद्यार्थियों के साथ आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण संवाद किया। इस विशेष अवसर पर देशभर से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल, व्यावहारिक और उत्साहवर्धक उत्तर देते हुए परीक्षा-प्रबंधन, आत्मविश्वास, कौशल संवर्धन, समय-प्रबंधन, स्वदेशी अपनाने तथा विकसित भारत 2047 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। इन प्रेरक संदेशों को देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी पूर्ण मनोयोग से सुना और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का दृढ़ निश्चय किया। केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देश के सभी 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में किया गया, जहाँ 7,05,808 विद्यार्थियों सहित 43,237 शिक्षकों एवं 41,380 अभिभावकों ने भी प्रधानमंत्री के परीक्षा-भय से मुक्ति दिलाने वाले प्रेरक सूत्रों को एकाग्रता के साथ सुना, ताकि विद्यार्थियों के लिए आगामी परीक्षाओं की तैयारी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विद्यार्थियों को दिया गया मार्गदर्शन अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। विद्यार्थियों ने इस संवाद से प्रेरणा ग्रहण करते हुए यह संकल्प लिया कि वे परीक्षा को तनाव का कारण न मानकर आत्ममूल्यांकन और आत्मविकास का सुअवसर समझेंगे।

आपकी शैली, आपकी गति

कार्यक्रम की शुरुआत में गुजरात के एक छात्र ने पूछा कि माता-पिता तो बच्चों की चिंता करते हैं और शिक्षक उनका समर्थन करते हैं, लेकिन समस्या तब आती है जब शिक्षक एक अध्ययन पद्धति सुझाते हैं, माता-पिता दूसरी पर जोर देते हैं, और छात्र अलग-अलग पद्धति अपना लेते हैं, जिससे वे इस बात को लेकर असमंजस में पड़ जाते हैं कि कौन सी पद्धति सही है। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सिलसिला जीवन भर चलता रहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए भी लोग उन्हें अलग-अलग सलाह देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिस तरह घर में भाई-बहनों के खान-पान के तरीके अलग-अलग होते हैं–कुछ सब्जियों से शुरुआत करते हैं, कुछ दाल से, कुछ सब कुछ मिलाकर–हर किसी का अपना तरीका होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आनंद अपनी पद्धति का पालन करने में ही मिलता है। श्री मोदी ने समझाया कि कुछ लोग रात में पढ़ना पसंद करते हैं, कुछ सुबह जल्दी, और हर किसी की अपनी लय होती है। उन्होंने बेईमानी के प्रति आगाह करते हुए बताया कि कैसे कुछ छात्र अपनी माताओं से कहते हैं कि वे सुबह पढ़ेंगे लेकिन फिर पढ़ते नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को अपनी पद्धति पर भरोसा करना चाहिए, सुझावों को ध्यान से सुनना चाहिए और सुधार केवल अपने व्यक्तिगत अनुभव से ही करने चाहिए, न कि केवल इसलिए कि कोई और ऐसा कहता है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने 'परीक्षा पे चर्चा' शुरू की थी, तब एक पद्धति थी, लेकिन समय के साथ उन्होंने उसमें सुधार किया, यहां तक कि विभिन्न राज्यों में सत्र आयोजित किए, प्रारूप में बदलाव किया लेकिन मूल सिद्धांतों को बरकरार रखा। छात्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का स्वभाव बहुत ही मिलनसार है और वे आसानी से उनके साथ घुलमिल जाते हैं। उन्होंने समझाया कि सभी को अलग-अलग तौर-तरीकों को सुनना चाहिए, उनमें से प्रत्येक से अच्छे गुण लेने चाहिए, अपने स्वयं के गुणों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और धीरे-धीरे उन्हें मजबूत करना चाहिए।

प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान, एक अन्य छात्र ने पूछा कि अक्सर छात्र स्कूल या शिक्षकों की गति से तालमेल नहीं बिठा पाते और छूटे हुए पाठों को पूरा करने की कोशिश में वे आगे के अध्यायों से भटक जाते हैं और पिछड़ जाते हैं। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को अपनी गति छात्रों से बस एक कदम आगे रखनी चाहिए, बहुत ज्यादा नहीं, ताकि लक्ष्य पहुंच के भीतर हो, लेकिन पकड़ में न हो। जब छात्र ने एग्जाम वॉरियर मंत्र 26, "लक्ष्य पहुंच के भीतर होना चाहिए, किंतु आसानी से पहुंच योग्य भी न हो," को याद दिलाया, तो प्रधानमंत्री ने उसकी इस बात की सराहना की। उन्होंने समझाया कि अगर शिक्षक

पचास कदम आगे बढ़ जाते हैं, तो छात्र हार मान लेंगे, लेकिन जिस तरह एक किसान खेत जोतता है, उसी तरह शिक्षकों को छात्रों के मन को जोतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षकों को प्रत्येक सप्ताह पढ़ाए जाने वाले अध्यायों की घोषणा पहले से कर देनी चाहिए, ताकि छात्र पाठ से पहले पढ़ना, प्रश्न पूछना या ऑनलाइन खोज करना शुरू कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब वास्तविक शिक्षण शुरू होता है, तो जिज्ञासा उत्पन्न होती है, समझ गहरी होती है और एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि अगर कोई अध्याय बहुत रोचक है, तो छात्र और भी अधिक जानने की इच्छा रखेंगे, जिससे पुनरावलोकन अधिक प्रभावी होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक सरल विधि है। उन्होंने पूछा कि क्या इससे शिक्षक की गति की समस्या बनी रहेगी? जब छात्र ने हां में उत्तर दिया, तो श्री मोदी ने सुधार करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा, क्योंकि छात्र अब पीछे छूट जाने का अहसास नहीं करेंगे, क्योंकि वे शिक्षक से एक कदम आगे बढ़ चुके हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "पहले मन को विकसित करें, फिर उसे जोड़ें, और फिर अध्ययन के विषयों को व्यवस्थित करें। आप हमेशा छात्रों को सफल पाएंगे।" छात्रों ने कहा कि हर किसी को प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने बैठकर प्रश्न पूछने और बातचीत करने का अवसर नहीं मिलता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें शिक्षकों से दो कदम पीछे रहने के बजाय दो कदम आगे रहने की सलाह दी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वे कभी पीछे न रह जाएं।

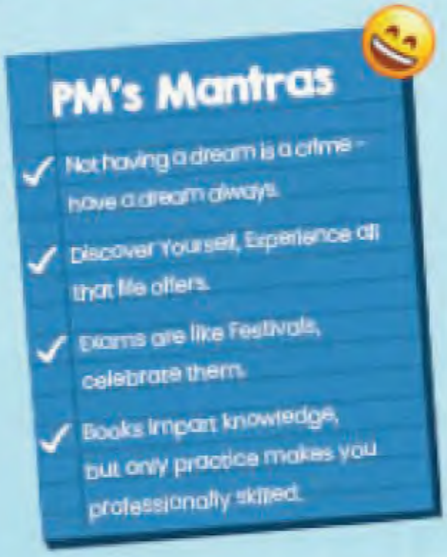

एक संगीतमय क्षण

सिक्किम की एक छात्रा ने बताया कि उसने तीन भाषाओं–हिन्दी, नेपाली और बंगाली–में 'हमारी भारत भूमि' शीर्षक से एक देशभक्ति गीत रचा है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूछा कि क्या उसे कविता लिखना पसंद है, और उसकी पुष्टि पर उसे कविता सुनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने राष्ट्र की एकता–एक भारत, श्रेष्ठ भारत–की बात

को बहुत खूबसूरती से व्यक्त किया है। इसके बाद श्री मोदी ने एक अन्य छात्रा, मानसी को गाने के लिए कहा। **मानसी (पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सै-2 आर.के.पुरम, दिल्ली)** ने अपनी माता द्वारा रचित एक गीत प्रस्तुत किया, जो विद्यार्थियों को समर्पित था। प्रधानमंत्री ने उसकी प्रशंसा की और उसे अपनी माता को अपनी ओर से बधाई देने के लिए कहा। छात्रा ने बताया कि वह एक यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज और इंस्टाग्राम अकाउंट चलाती है, जिसके फेसबुक पर 1.5 लाख फॉलोअर हैं। प्रधानमंत्री ने आश्चर्य और प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं से मिलना गर्व की बात है।

श्री मोदी ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि उन्होंने असम के गमोंसा से उनका अभिवादन किया है, जिसे वे अपना सबसे प्रिय मानते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गमोंसा असम और उत्तर-पूर्वी भारत में महिला सशक्तीकरण का प्रतीक है, जिसे इस क्षेत्र की महिलाएं घर पर ही बनाती हैं, जो उनकी शक्ति और योगदान को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सम्मान के प्रतीक के रूप में गमोंसा भेंट करना उनकी हार्दिक इच्छा थी।

उद्देश्यपूर्ण तैयारी

छात्र सबावत वेंकटेश ने छात्रों के बीच व्याप्त भ्रम और भय को देखते हुए प्रधानमंत्री से पूछा कि कौशल या अंक में से कौन

अधिक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन में संतुलन आवश्यक है, चाहे वह खाने और सोने के बीच हो, पढ़ाई और खेलने के बीच हो, या कौशल और अंकों के बीच हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी एक तरफ बहुत अधिक झुकाव असंतुलन पैदा करता है, जबकि उचित संतुलन स्थिरता सुनिश्चित करता है। उन्होंने समझाया कि कौशल दो प्रकार के होते हैं–जीवन कौशल और व्यावसायिक कौशल–और दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान, अवलोकन और अध्ययन के बिना कोई भी कौशल विकसित नहीं हो सकता, और कौशल की शुरुआत ज्ञान से होती है।

श्री मोदी ने उदाहरणों के साथ समझाया कि जीवन कौशल के बिना, खाना पकाने या रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीदने जैसे दैनिक कार्यों में भी कठिनाई हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीवन कौशल पूर्ण रूप से विकसित किए जाने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और अनुकूलनशीलता शामिल हैं। व्यावसायिक कौशल के बारे में उन्होंने बताया कि डॉक्टरों को अपने कौशल को लगातार अद्यतन करते रहना चाहिए, क्योंकि केवल किताबों से कोई हृदय रोग विशेषज्ञ नहीं बन जाता–वास्तविक कौशल रोगियों के साथ काम करने से आता है। इसी प्रकार, वकीलों को संवैधानिक प्रावधानों के ज्ञान से परे न्यायालय कौशल विकसित करने के लिए वरिष्ठों के मार्गदर्शन में अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि व्यावसायिक कौशल के लिए निरंतर शिक्षण और नई तकनीकों के अनुकूल होना आवश्यक है, यहां तक कि 40 वर्ष की आयु में भी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में प्रगति के लिए निरंतर अद्यतन की आवश्यकता होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा और

PM's Mantras

- Listen to everyone's advice but change your pattern only when you want to.
- Goals should be within reach but not easily achievable - Aim & Act.
- Balancing studies, skills, rest and hobbies is the key to growth.
- Aspire, not to be, but to do.

कौशल जुड़वां भाई-बहन हैं, अविभाज्य हैं, और कौशल जीवन में अपरिहार्य है।

अंकों से इतर एक माध्यम के रूप में शिक्षा

इसके अलावा, मणिपुर के इम्फाल स्थित सैनिक स्कूल के एक छात्र ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जन्मदिन प्रधानमंत्री के जन्मदिन के साथ ही पड़ता है। जवाब में, श्री मोदी ने कहा कि वे बीते हुए वर्षों को नहीं गिनते बल्कि आने वाले वर्षों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और छात्रों से आग्रह किया कि वे अतीत में खोए रहने में समय बर्बाद न करें बल्कि भविष्य के बारे में सोचें।

पिछले वर्षों के प्रश्नों पर आधारित परीक्षा की तैयारी रणनीतियों के बारे में पूछे जाने पर, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब प्रश्नपत्र कठिन लगते हैं तो छात्रों को अक्सर परेशानी होती है, इसका कारण यह नहीं है कि प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम से बाहर हैं, बल्कि यह है कि उनका ध्यान केवल दोहराए जाने वाले प्रश्नों के पैटर्न पर ही केंद्रित रहता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या उनके स्वयं के छात्र जीवन में भी मौजूद थी और कभी-कभी केवल अंकों पर ध्यान केंद्रित करने वाले शिक्षकों द्वारा इसे और बढ़ावा दिया जाता है। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि अच्छे शिक्षक पूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करके और जीवन में इसकी प्रासंगिकता को समझाकर सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करते हैं। क्रिकेट में गेंदबाज का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि केवल कंधे की मांसपेशियों को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; व्यायाम करना, योग करना, पूरे शरीर और मन को मजबूत करना, आहार को संतुलित करना और पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा भी केवल परीक्षाओं के लिए नहीं बल्कि जीवन के लिए है, और परीक्षाएं स्वयं की परीक्षा करने के लिए होती हैं। अंक अंतिम लक्ष्य नहीं हैं; जीवन का संपूर्ण विकास ही अंतिम लक्ष्य है। उन्होंने सलाह दी कि केवल दस प्रश्नों या पैटर्न पर ध्यान केंद्रित करना सीमित सोच है, और यद्यपि इनका अभ्यास किया जा सकता है, किंतु ये तैयारी का केवल एक छोटा सा हिस्सा होना चाहिए, जबकि अधिकांश प्रयास समग्र शिक्षा पर केंद्रित होना चाहिए।

विशेषकर प्री-बोर्ड परीक्षाओं के दौरान पढ़ाई के दबाव को संतुलित करने के विषय पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक आम चिंता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा को बाध्यता या बोझ नहीं समझना चाहिए, बल्कि इसमें पूर्ण भागीदारी आवश्यक है। पूर्ण भागीदारी के बिना, अधूरी शिक्षा सफलता की ओर नहीं ले जा सकती। उन्होंने अंकों को लेकर अत्यधिक जुनून के प्रति आगाह करते हुए पूछा कि क्या किसी को पिछले वर्ष बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र का नाम याद है? जब छात्र ने 'नहीं' में उत्तर दिया, तो श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि ऐसी उपलब्धियों की भले ही संक्षिप्त प्रशंसा की जाए, लेकिन वे जल्द ही भुला दी जाती हैं, जिससे पता चलता है कि अंकों का महत्व कितना कम है। उन्होंने

छात्रों को सलाह दी कि वे अपने मन को अंकों से न जोड़ें, बल्कि इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि उनका जीवन किस दिशा में जा रहा है, और न केवल कक्षाओं या परीक्षा में, बल्कि जीवन में भी निरंतर स्वयं को परखते रहें।

कम दबाव, अधिक शिक्षण

संवादात्मक सत्र को आगे बढ़ाते हुए, एक छात्र ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से पूछा कि पढ़ाई के दौरान शांत और एकाग्र कैसे रहें, क्योंकि कई तरह के विचार मन में आते हैं और पाठ जल्दी भूल जाते हैं। प्रधानमंत्री ने एक उदाहरण देते हुए उत्तर दिया: "जिस प्रकार आप आज यहां आए हैं, 25 साल बाद भी अगर कोई आपसे इस कार्यक्रम के बारे में पूछे, तो क्या आप भूल जाएंगे या याद रखेंगे?" छात्र ने उत्तर दिया कि यह हमेशा एक विशेष क्षण के रूप में याद रहेगा। श्री मोदी ने समझाया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्र पूरी तरह से वर्तमान में लीन रहता है, जिससे स्थायी स्मृति सुनिश्चित होती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यादें तभी बनी रहती हैं जब व्यक्ति पूरी तरह से किसी गतिविधि में शामिल होता है और अपने अनुभवों को दोस्तों के साथ साझा करता है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे कम आत्मविश्वास वाले लोगों से दोस्ती करें और उन्हें सिखाएं, साथ ही अपनी समझ को पुष्ट करने के लिए कुछ मिनटों के लिए अपने से अधिक प्रतिभाशाली साथियों से मार्गदर्शन भी लें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस दोहरे लाभ से नए विचार आते हैं, सोच का दायरा बढ़ता है और एकाग्रता मजबूत होती है।

पंजाब के एक अन्य छात्र ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से बातचीत करते हुए उनका अभिवादन किया। उन्होंने कक्षा 12 के उन छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछा जो बोर्ड परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एक साथ कर रहे हैं, क्योंकि इन परीक्षाओं के पैटर्न अलग-अलग हैं और समय-सारणी आपस में टकराती है। प्रधानमंत्री ने उनकी चिंता को समझाते हुए इसकी तुलना क्रिकेट और फुटबॉल एक साथ खेलने से की और इस बात पर जोर दिया कि 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि छात्र अपने पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझ लें, तो प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने आप ही सफल हो जाएंगे और इसके लिए अलग से प्रयास करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों को उनकी क्षमता, योग्यता और रुचि के अनुसार आगे बढ़ने दें।

अंकों, गेमिंग और हास्य के बीच संतुलन

एक छात्र ने पढ़ाई पर ही ध्यान केंद्रित करने के सामाजिक दबाव के बावजूद गेमिंग में अपना भविष्य बनाने के बारे में सवाल उठाया। प्रधानमंत्री ने समझाया कि माता-पिता अक्सर शुरुआत में हतोत्साहित करते हैं, लेकिन सफलता मिलने पर वे गर्व महसूस करते हैं और जश्न मनाते हैं। उन्होंने छात्र को पंचतंत्र या पौराणिक कथाओं जैसी भारत की समृद्ध कहानियों पर आधारित गेम बनाकर गेमिंग में अपनी रुचि को रचनात्मक रूप से इस्तेमाल करने और पहचान हासिल करने के लिए उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गेमिंग एक ऐसा कौशल है जिसमें गति और सतर्कता की आवश्यकता होती है, जो आत्म-विकास में योगदान देता है। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले गेम में विशेषज्ञता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने गेमिंग में जुए के खिलाफ चेतावनी दी, यह देखते हुए कि ऐसे प्रचलनों को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि गेमिंग को एक रचनात्मक कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए। छात्रों ने प्रधानमंत्री के आवास पर भी जाने को लेकर उत्साह व्यक्त किया और उनके दोस्ताना व्यवहार, उनके सवालों में वास्तविक रुचि और उनके द्वारा दिए गए विचारशील उत्तरों की सराहना की।

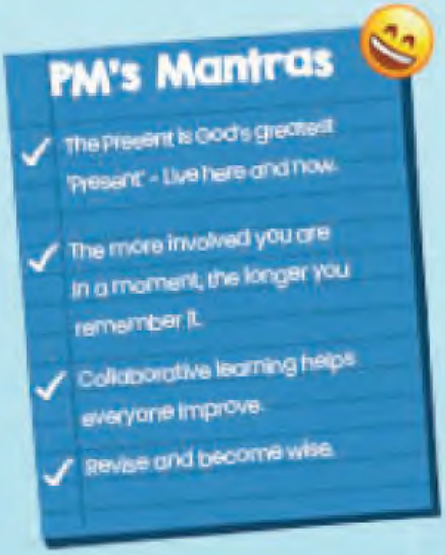

डर को ताकत में बदलना - तनाव, समय और आत्मविश्वास का प्रबंधन

विद्यार्थियों ने बताया कि 'एग्जाम वॉरियर' पढ़ने से परीक्षाओं के प्रति उनका नजरिया कैसे बदल गया। एक छात्र ने कहा कि पहले परीक्षाएं तनाव और डर का कारण बनती थीं, लेकिन किताब पढ़ने

के बाद परीक्षाएं दोस्त बन गईं। दूसरे छात्र ने बताया कि पहले वे दूसरों से तुलना करके चिंतित रहते थे, लेकिन अब उन्हें एहसास हुआ कि उनकी अपनी तकनीक अनोखी और कारगर है। एक छात्र ने कहा कि समय प्रबंधन हमेशा से उनके लिए एक चुनौती रहा है, लेकिन 'एग्जाम वॉरियर' से सीखने के बाद उन्होंने जल्दी उठने और कामों को बेहतर ढंग से करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समय के प्रबंधन का एक सरल तरीका सुझाया: सोने से पहले डायरी में कार्यों को लिखना, अगले दिन उनका मिलान करना और यह विश्लेषण करना कि कुछ कार्य अधूरे क्यों रह गए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय का सदुपयोग करने से तनाव और थकान दूर होती है। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग करने की उनकी अपनी आदत उन्हें अनेक जिम्मेदारियों के बावजूद तनावमुक्त रखती है।

PM's Mantras

- Don't waste time dwelling on the past, think of living what lies ahead?
- Strengthen your foundation in school, competitive exams will follow in time.
- Education is not only for exams but for life, exams are meant to examine oneself.

विद्यार्थियों ने बताया कि गणित जैसे विषयों के प्रति उनका डर अब रुचि में बदल गया है। एक छात्र ने कहा कि गणित कभी उनके लिए एक भूत जैसा था, लेकिन अब जुनून बन गया है। प्रधानमंत्री ने वैदिक गणित के अध्ययन को प्रोत्साहित करते हुए इसे आनंददायक और जादुई बताया और रुचि बढ़ाने के लिए इस तरह की विधियों को मित्रों के साथ साझा करने का सुझाव दिया।

एक अन्य छात्र ने बताया कि परीक्षा की तारीखें पहले डर का कारण बनती थीं, लेकिन परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने के इस पुस्तक के मंत्र ने उन्हें प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री ने सलाह दी कि 'परीक्षा पे चर्चा' से मिलने वाले सबक परिवार के सदस्यों के साथ भी साझा किए जाने चाहिए, क्योंकि वे भी इससे समान रूप से लाभान्वित हो सकते हैं।

छात्रों ने कम अंकों के डर पर काबू पाने के अपने अनुभवों पर विचार व्यक्त किया और यह समझा कि अंक ही सब कुछ नहीं होते। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के असफलताओं के बावजूद दृढ़ रहने के उदाहरण का हवाला दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तनाव कम होने से गायन, चित्रकला या कविता लेखन जैसी नई कलाओं को सीखने का अवसर मिलता है और उन्होंने रचनात्मक गतिविधियों में रुचि रखने वाले छात्रों की सराहना की।

पुस्तक से प्राप्त आत्मविश्वास ने छात्रों को प्रस्तुतियों के भय को दूर करने में भी मदद की। प्रधानमंत्री ने समझाया कि आत्मविश्वास सत्य और अनुभव से आता है, ठीक वैसे ही जैसे आम लोग अपने द्वारा देखी गई घटनाओं का वर्णन करते समय स्पष्ट रूप से बोल पाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों का आत्मविश्वास उनके अपने प्रयासों और उपलब्धियों की सच्चाई से उत्पन्न होता है।

एक छात्र ने बताया कि साहित्य के लंबे प्रश्नपत्र पहले उन्हें डरा देते थे, लेकिन अब वे तेजी से लिखने और लिखावट सुधारने का अभ्यास करते हैं। प्रधानमंत्री ने प्रश्नपत्र लिखने से पहले 30 सेकंड का विराम लेने, गहरी सांसें लेने और मन को शांत करने जैसी तकनीकों का सुझाव देते हुए कहा कि गलतियां ज्ञान की कमी के कारण नहीं बल्कि जल्दबाजी के कारण होती हैं। उन्होंने निष्कर्ष

निकाला कि सही तकनीकों और आत्मविश्वास के साथ छात्र परीक्षा के भय पर काबू पाकर सफल हो सकते हैं।

शोर के बीच डटे रहना

एक छात्र ने पूछा कि घर के शोर और माता-पिता के सहयोग के अभाव में पढ़ाई कैसे की जाए। प्रधानमंत्री ने सामान से लदी बैलगाड़ी पर बैठकर पढ़ रहे एक बच्चे का वीडियो याद दिलाया और इस बात पर जोर दिया कि सफलता के लिए आराम जरूरी नहीं है। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं में कई शीर्ष अंक प्राप्त करने वाले छात्र छोटे, वंचित गांवों से आते हैं और उन्होंने उन नेत्रहीन छात्राओं की प्रेरणादायक कहानी साझा की जिन्होंने कठिनाइयों के बावजूद क्रिकेट में जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन आरामदेह परिस्थितियों से नहीं, बल्कि जीने के तरीके से आकार लेता है।

तमिलनाडु के एक अन्य छात्र ने परीक्षा की तैयारी में बाधा डालने वाले मेहमानों का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने सलाह दी कि मेहमानों से उनके बचपन के अनुभवों के बारे में पूछकर स्थिति को सकारात्मक बनाया जाए, जिससे ध्यान दूसरी ओर जाए और दबाव कम हो।

बड़े सपने, उससे भी बड़े कार्य

लद्दाख के एक छात्र ने पूछा कि क्या बच्चों को बड़े सपने देखने चाहिए और उन सपनों को साकार करने की शुरुआत कैसे की जाए। प्रधानमंत्री ने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सपने न देखना एक अपराध है, लेकिन सपनों को साकार करने के लिए कर्म आवश्यक हैं। उन्होंने समझाया कि अंतरिक्ष यात्री बनने जैसी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अध्ययन, जीवनी और गहन रुचि की आवश्यकता होती है, साथ ही उन्होंने उपहास से बचने के लिए सपनों को सार्वजनिक न करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने छात्रों को अपने सपनों को लिखकर निजी तौर पर संजोने के लिए प्रोत्साहित किया।

बड़े सपनों को साकार करने के लिए दैनिक आदतों से संबंधित एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, श्री मोदी ने महान व्यक्तित्वों की जीवनियां पढ़ने का सुझाव दिया। उन्होंने समझाया कि उनके संघर्षों और शुरुआती कदमों को समझने से छात्रों को उनसे जुड़ाव महसूस करने और आत्मविश्वास प्राप्त करने में मदद मिलती है, जिससे उन्हें चरण दर चरण प्रगति करने का तरीका पता चलता है।

इसके बाद एक छात्र ने प्रधानमंत्री को समर्पित एक भावपूर्ण कविता सुनाई, जिसमें उन्हें भारत का गौरव, मानवता का सेवक और राष्ट्र के सपनों को साकार करने वाला नेता बताया गया।

जब प्रधानमंत्री शिक्षक बने

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वे स्वतंत्रता शताब्दी के अवसर पर यानी वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत की कल्पना करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उस समय 35 से 45 वर्ष की आयु के युवा इस सपने को साकार करने के लिए अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर होंगे। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी 1915 में अफ्रीका से लौटे और 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया, तथा भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान ने पीढ़ियों को स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि इतनी ऐतिहासिक स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है, तो सामूहिक प्रयासों से एक विकसित भारत का सपना भी निश्चित रूप से साकार किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से विकसित भारत के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को लिखने का आग्रह किया और उनसे कौशल विकास, आत्मविश्वास और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग से संबंधित पांच कार्यों की पहचान करने को कहा, जिन पर वे विचार कर सकते थे। उन्होंने छात्रों के जवाबों पर ध्यान दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वदेशी को अपनाना मन को तैयार करने और औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने से शुरू होता है। उन्होंने कहा कि विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण स्कूलों में भी बना हुआ है। उन्होंने छात्रों को निर्देश दिया कि वे अपने दैनिक उपयोग की सभी वस्तुओं की सूची बनाएं, विदेशी उत्पादों की पहचान करें और धीरे-धीरे उन्हें भारतीय विकल्पों से बदलें, यह सुनिश्चित करते हुए कि एक वर्ष के भीतर उनके घर भारतीय वस्तुओं से भर जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारतीय स्वयं अपने उत्पादों पर गर्व नहीं करेंगे, तो दुनिया भी नहीं करेगी। उन्होंने देरी के लिए "इंडियन टाइम" को दोष देने की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के रवैये से राष्ट्र का अपमान होता है, और स्वच्छता से शुरू करते हुए कर्तव्य पालन का आह्वान किया।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित राष्ट्र सफाईकर्मियों के कारण नहीं, बल्कि नागरिकों द्वारा कूड़ा न फैलाने के कारण स्वच्छ

दिखाई देते हैं। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि भारतीयों को स्वच्छता के मामले में कभी समझौता न करने का संकल्प लेना चाहिए, यहां तक कि किसी के द्वारा फेंके गए कूड़े को स्वयं उठा लेना चाहिए, ताकि कूड़ा फेंकने वाला शर्मिंदा हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य बनाए रखना भी एक कर्तव्य है, और यदि नागरिक इन जिम्मेदारियों को निभाते हैं, तो कोई भी ताकत भारत को विकसित होने से नहीं रोक सकती, और युवावस्था में पहुंचने पर युवाओं को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें ऐसा काम करना चाहिए जिससे उन्हें लाभ

मिले? इसका छात्रों ने हां में जवाब दिया। फिर उन्होंने वर्तमान पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध विशाल अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जहां उनके युग में ऐसे अवसर नहीं थे, वहीं आज के युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने समझाया कि केवल जीवनी का सारांश देने के लिए एआई का उपयोग करने से कोई खास लाभ नहीं होता, लेकिन एआई से उम्र और रुचियों के आधार पर जीवनी की अनुशंसा करने के लिए कहना और फिर उन पुस्तकों को पढ़ना वास्तविक विकास की ओर ले जाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए, बल्कि शक्ति और ज्ञान बढ़ाने का साधन होना चाहिए। छात्रों ने एआई के उपयोग पर उनके मार्गदर्शन की सराहना की और इसे अपने स्वयं के तकनीकी प्रयासों के लिए प्रासंगिक बताया।

प्रधानमंत्री ने एक छात्र द्वारा प्रस्तुत कर्नाटक शास्त्रीय संगीत शैली की बांसुरी सुनी और उसकी प्रशंसा की। उन्होंने एक छात्र द्वारा भेंट किए गए हस्तनिर्मित गुलदस्ते की सराहना की और बसंत पंचमी के दौरान उत्तराखंड की पारंपरिक महत्ता की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने त्रिपुरा की परंपराओं के संदर्भों को भी स्वीकार किया और छात्रों द्वारा भेंट की गई जैविक चाय और असमिया गमछा की प्रशंसा करते हुए उन्हें कविता लेखन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी को हार्दिक धन्यवाद और शुभकामनाएं दीं।

आगामी 'परीक्षा पे चर्चा' के कुछ अंश साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कई छात्रों ने देश के विभिन्न हिस्सों में 'परीक्षा पे चर्चा' आयोजित करने का सुझाव दिया था, जो इस विशेष एपिसोड में झलकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिवार में भाई-बहनों के अच्छे गुणों से सीखना चाहिए और महान बनने की आकांक्षा रखना गलत नहीं है, लेकिन इसे दूसरों से तुलना करने से नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन दोनों में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और साथ ही इस बात पर भी बल दिया कि खेल जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपने विचार और अनुभव खुलकर साझा करने के लिए कहा।

(साभार- पी.आई.बी.)

PM's Mantras

- PM advises parents to allow children to blossom according to their capacity, ability, and interest
- Turn your hobbies into practical products and share them for free, Feedback fuels new ideas and success
- PM advises teachers to inform students in advance to create curiosity and improve understanding

परीक्षा पे चर्चा-2026

एपिसोड-2

कोयंबटूर से गुवाहटी तक गूंजा संदेश — तनाव नहीं, आत्मविकास का अवसर है परीक्षा

कोयंबटूर, 9 फरवरी 2026: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के 9वें संस्करण के दूसरे एपिसोड में कोयंबटूर, रायपुर, देवमोगरा और गुवाहटी के विद्यार्थियों से अनौपचारिक संवाद किया। 'परीक्षा पे चर्चा' के इस विशेष संस्करण में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया गया है। कोयंबटूर संस्करण की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के छात्रों की ऊर्जा और जिज्ञासा ने उन्हें बहुत प्रभावित किया है। देश के चार क्षेत्रों में प्रधानमंत्री द्वारा विद्यार्थियों को दिए गए इस मार्गदर्शन को देशभर के 1289 केन्द्रीय विद्यालयों के 6,12,909 विद्यार्थियों ने 37,833 शिक्षकों एवं 5,885 अभिभावकों के साथ बैठकर लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना। लाइव प्रसारण के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने परीक्षा के भय पर विजय पाने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा समय-प्रबंधन के महत्व जैसे विषयों पर प्रधानमंत्री के प्रेरक मंत्रों को आत्मसात किया। इस विशेष प्रसारण के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल प्रधानमंत्री के विचारों को सुना, बल्कि उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया। परीक्षा को तनाव का कारण न मानकर आत्म-परीक्षण और आत्म-विकास का अवसर समझने का संदेश विद्यार्थियों के बीच विशेष रूप से प्रभावी रहा।

स्टार्टअप और प्रधानमंत्री का अध्ययन मंत्र

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के विद्यार्थियों की ऊर्जा और जिज्ञासा की सराहना करते हुए उन्हें "वनक्कम" कहकर अभिवादन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सहज और आत्मीय बातचीत की। विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को सामने देखकर उन्हें अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। वे एक भव्य आगमन की अपेक्षा कर रहे थे, किंतु उन्होंने प्रधानमंत्री को अत्यंत सरल, विनम्र और सहज पाया। एक छात्र ने कहा कि उनकी उपस्थिति से वह रोमांचित हो उठा।

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्हें बताया कि वे कई वर्षों से 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के माध्यम से 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों से संवाद करते आ रहे हैं। यह बताते हुए कि यह उनके लिए सिखाने का नहीं बल्कि एक सीखने का अवसर है, उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। एक छात्र के स्टार्टअप से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने सलाह दी कि सबसे पहले अपनी रुचि और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें, चाहे वह प्रौद्योगिकी में नवाचार हो, ड्रोन का विकास हो, या विद्युत प्रणालियों जैसे व्यावहारिक समाधान। उन्होंने सुझाव दिया कि तकनीक और वित्त में कुशल मित्रों के साथ छोटी टीमें बनाना सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि उद्यम शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं होती और छोटे स्टार्टअप भी प्रभावशाली हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में ही रुचि है, तो यह बहुत अच्छी बात है। उन्होंने मौजूदा स्टार्टअप्स का दौरा करने, एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने और उसे ईमानदारी से एक स्कूल प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत करने का सुझाव दिया, जिससे मार्गदर्शन और समर्थन को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान धीरे-धीरे आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा, जो आगे के प्रयासों में सहायक होगा। एक अन्य छात्र की पढ़ाई और शौक के बीच संतुलन बनाने की चिंता को दूर करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि दोनों ही उपयोगी हैं और एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कला और विज्ञान के प्रयोगों को मिलाकर एक उदाहरण दिया और कहा कि रचनात्मकता सीखने में मदद कर सकती है और थकान कम कर सकती है। उन्होंने सलाह दी कि शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए अपनी व्यक्तिगत रुचियों के लिए भी प्रतिदिन या साप्ताहिक समय निकालना जरूरी है।

विकसित भारत और वोकल फॉर लोकल में युवाओं का योगदान

जब प्रधानमंत्री से 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने खुशी व्यक्त की कि युवा छात्र भी इस सपने को साझा करते हैं। उन्होंने सिंगापुर के एक मछुआरा गांव से विकसित राष्ट्र बनने के सफर का उदाहरण देते हुए ली कुआन यू के विकसित राष्ट्रों की अनुशासित आदतों को अपनाने के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कूड़ा न फैलाना, यातायात नियमों का पालन करना, भोजन की बर्बादी से बचना और स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने जैसे छोटे-छोटे कदम राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के महत्व पर जोर देते हुए शादियों जैसे समारोहों को विदेश के बजाय भारत में मनाने की अपील की। साथ ही यह भी कहा कि प्रत्येक नागरिक के छोटे-छोटे प्रयास सामूहिक रूप से एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। छात्रों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि उन्होंने बड़े कदमों के बजाय छोटे कदमों पर जोर दिया, जिससे यह साबित होता है कि उनके लिए यह सबसे अधिक मायने रखता है।

PM's Mantras

- Every small step will build Viksit Bharat @ 2047.
- Discipline is the key, inspiration only adds on to it.
- Travel not just to see places, but to understand them like a student.

प्रेरणा या अनुशासन?

एक छात्र के सफलता के लिए प्रेरणा या अनुशासन में से कौन अधिक महत्वपूर्ण है के सवाल का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीवन में दोनों ही आवश्यक हैं। उन्होंने समझाया कि अनुशासन के बिना, केवल प्रेरणा का कोई खास उपयोग नहीं है। उन्होंने एक किसान का उदाहरण दिया जो अपने पड़ोसी की सफलता से प्रेरित होता है लेकिन बारिश से पहले अपने खेत को तैयार करने में विफल रहता है, जिससे खराब परिणाम मिलते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुशासन अपरिहार्य है, जबकि प्रेरणा "सजावट के साथ सोने" की तरह मूल्य जोड़ती है, और अनुशासन के बिना, प्रेरणा एक बोझ बन जाती है और निराशा पैदा करती है। एक छात्र ने वर्षों से परेशान कर रहे एक प्रश्न पर स्पष्टता प्राप्त करने पर सम्मानित महसूस करने की बात कही।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उदय और इसके उचित उपयोग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे कंप्यूटर हों या मोबाइल फोन, हर युग में नई तकनीकों से जुड़ी चिंताएं सामने आती हैं लेकिन डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तकनीक को मानव जीवन का स्वामी नहीं बनने देना चाहिए और उपकरणों के गुलाम बनने से भी सतर्क किया। उन्होंने सलाह दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग मार्गदर्शन और मूल्यवर्धन के लिए किया जाना चाहिए, न कि सीखने के विकल्प के रूप में। उन्होंने कहा कि नौकरियों का स्वरूप हमेशा बदलता रहेगा, जैसे परिवहन बैलगाड़ियों से हवाई जहाजों में परिवर्तित हुआ, लेकिन जीवन चलता रहता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तकनीक को समझना, अपनी क्षमताओं का विस्तार करना और उसकी खूबियों को कार्य में जोड़ना बिना किसी भय के प्रगति सुनिश्चित करता है।

विकसित भारत का संकल्प

छात्रों ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वे अभिभूत और सम्मानित महसूस कर रहे हैं और प्रधानमंत्री उन्हें एक नेता से कहीं अधिक, परिवार के सदस्य जैसे लगे। कोयंबटूर में छात्रों के साथ अपनी बातचीत समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोयंबटूर के युवा एआई, स्टार्टअप और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के बारे में अत्यधिक जागरूक हैं और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह भारत की युवा सोच को दर्शाता है, जो 2047 तक एक विकसित भारत बनने के संकल्प को नई शक्ति प्रदान कर रहा है।

इसके बाद यह चर्चा कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ के रायपुर चली गई, जहां उन्होंने छात्रों के साथ रोचक बातचीत की और स्थानीय व्यंजनों का भी आनंद लिया।

प्रधानमंत्री ने दी यात्रा और ध्यान केंद्रित रखने की सलाह

प्रधानमंत्री ने "जय जोहार" कहकर विद्यार्थियों का अभिवादन करते हुए खान-पान की परंपराओं और स्थानीय व्यंजनों के बारे में पूछा। फिर उन्होंने छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित किया और छुट्टियों में यात्रा से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्हें सलाह दी कि यात्रा पर ज्यादा दूर जाने से पहले वे अपने ही तहसील, जिले और राज्य का भ्रमण करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पर्यटन का सबसे अधिक आनंद तब आता है, जब छात्र ट्रेन से यात्रा करते हैं, अपने साथ भोजन ले जाते हैं और भारत की विविधता से सीखते हैं।

परीक्षा के तनाव और रिवीजन से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में, श्री मोदी ने कहा कि छात्रों को अपनी तैयारी पर भरोसा रखना चाहिए, शांत रहना चाहिए और विषय पर पूरी तरह से पकड़ बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने सीखने की तुलना खेल से करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा से शक्ति का निर्माण होता है। उन्होंने पढ़ाई में संघर्ष कर रहे छात्रों से दोस्ती करने और उनकी मदद करने की एक व्यावहारिक तकनीक का सुझाव दिया।

PM's Mantras

- Always believe in yourself.
- Learn from people who are better than you.
- Parents should not encourage a comparative environment at home.
- It's important to reflect on ourselves.

पढ़ाई और खेल में संतुलन कायम रखना

खेल और पढ़ाई में संतुलन कायम रखने की इच्छा रखने वाले एक छात्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि सामाजिक जीवन के लिए भी आवश्यक है और इसे कभी कम नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने इस गलतफहमी के प्रति आगाह किया कि केवल खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने से पढ़ाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि केवल शिक्षा ही सब कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा का विकास आवश्यक है। जिस तरह खिलाड़ी बनने के लिए खेलना जरूरी है, जीवन में खेल का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए खेल को शामिल करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि पढ़ाई भी जरूरी है, ताकि दूसरे उन्हें केवल मैदान पर बैठे रहने वाले और ज्ञानहीन व्यक्ति के रूप में न देखें। उन्होंने यह कहकर अपनी बात समाप्त की कि सच्ची शक्ति शिक्षा और खेल दोनों में निपुण होने में निहित है। छात्रों ने कहा कि वे उनकी सलाह को अपने जीवन में अपनाएंगे और इस अनुभव के लिए हार्दिक आभार भी व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के विषय पर एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हमारे स्वभाव में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन के छोटे-छोटे नियम बड़ा बदलाव लाते हैं जैसे की ब्रश करते समय पानी बंद करना और जरूरत पड़ने पर ही उसका इस्तेमाल करना। उन्होंने एक शिक्षक की प्रेरणादायक कहानी साझा की, जिन्होंने पेट्रोल पंपों से तेल के डिब्बे इकट्ठा किए और बच्चों से अपने घरों से बोतलों में बचा हुआ पानी लाने को कहा, जिसका इस्तेमाल पौधों को पानी देने के लिए किया गया। सब्जियों के छिलकों से खाद बनने के कारण, पूरा स्कूल हरा-भरा हो गया, जिससे पता चलता है कि कैसे एक शिक्षक की पहल ने पर्यावरण को बदल दिया। उन्होंने कहा कि मानवीय व्यवहार इस तरह के

बदलाव की शुरुआत कर सकता है और पर्यावरण की रक्षा के लिए छोटे सामान्य कार्य ही पर्याप्त हैं।

नेतृत्व संबंधी विचार

जब प्रधानमंत्री से पूछा गया कि भावी पीढ़ी के नेताओं में वे किन गुणों की अपेक्षा रखते हैं, तो उन्होंने पहला गुण निडरता को बताया। उन्होंने सलाह दी कि नेतृत्व तब शुरू होता है, जब कोई दूसरों का इंतजार किए बिना कार्य करने का निर्णय लेता है। उन्होंने कूड़ा उठाने का उदाहरण दिया जो दूसरों को प्रेरित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व का मतलब चुनाव या भाषण नहीं है, बल्कि दूसरों को समझाने और उन्हें राजी करने की क्षमता के बारे में है और इस बात पर बल दिया कि सच्चे नेता मार्गदर्शन करने

से पहले लोगों को समझते हैं। छात्रों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए इस अनुभव को एक सपने जैसा बताया और प्रधानमंत्री से मिलने पर खुद को सौभाग्यशाली और सम्मानित होने जैसा माना।

PM's Mantras

- Don't see studies and art as separate.
- Travel not just to see places, but to understand them like a student.
- Make friends with those who struggle in studies and help them learn.

रायपुर में बातचीत समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परीक्षा की तैयारी, तनाव और अपेक्षाएं 'परीक्षा पे चर्चा' के मुख्य विषय हैं और इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि ये चर्चाएं केवल बोर्ड परीक्षा की तैयारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये जीवन के कई पहलुओं को छूती हैं और युवा मन में चल रहे विचारों को दर्शाती हैं।

गुजरात के देव मोगरा में छात्रों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने उनकी पृष्ठभूमि के बारे में पूछा और उनकी कलाकृति की सराहना की। उन्होंने पिछली मुलाकातों से कुछ परिचित चेहरों को भी पहचाना और उनके साहस की भी प्रशंसा की।

गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों का विकास

आदिवासी क्षेत्रों में काम करने की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर श्री मोदी ने ऐतिहासिक पालचेतरिया घटना को याद किया, जिसमें आदिवासी समुदाय ने एक बड़ा स्वतंत्रता संग्राम लड़ा था। उन्होंने उस भयंकर अकाल को भी याद किया जिसके दौरान वे उस क्षेत्र में रहे और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता महसूस

की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने शिक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि एक समय था जब उमरगाम से अंबाजी तक विज्ञान पढ़ने के लिए एक भी विद्यालय नहीं था लेकिन अब वहां विश्वविद्यालय, विज्ञान विद्यालय, इंजीनियरिंग संस्थान और आईटीआई हैं, जिनसे महत्वपूर्ण बदलाव और लाभ मिल रहे हैं। उन्होंने पिछड़े आदिवासी समुदायों की सहायता के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री जनमन योजना का उल्लेख किया और बताया कि इसके लिए अलग योजनाओं और बजट की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास को गति देती है। उन्होंने उमरगाम-अंबाजी राजमार्ग जैसी आधारभूत परियोजनाओं का भी जिक्र किया और कहा कि कनेक्टिविटी प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है और उन्होंने इस पर विशेष ध्यान दिया है।

पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तनाव से निपटने के बारे में एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छात्रों को अक्सर परीक्षा का तनाव होता है लेकिन परीक्षा समाप्त होने के बाद उन्हें एहसास होता है कि यह अस्थायी था। उन्होंने कहा कि परीक्षा के तनाव से उबरने का सबसे अच्छा तरीका केवल पढ़ने के बजाय नियमित रूप से प्रश्नपत्र हल करने और लिखने की आदत विकसित करना है। उन्होंने आगे कहा कि निरंतर अभ्यास, तनाव को दूर करता है। उन्होंने हंसी और उससे भी जरूरी पर्याप्त नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि अच्छी नींद मन को तरोताजा रखती है, विचारों को प्रवाहित रखती है और मनोबल को बढ़ाती है।

करियर के लिए सही मार्ग

करियर विकल्पों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि लगातार बदलती आकांक्षाएं परिवारों को भ्रमित कर देती हैं और ऐसे में सफल लोगों से प्रेरणा लेना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हमें न केवल उनकी उपलब्धियों को देखना चाहिए, बल्कि उनके पीछे के प्रयास और अनुशासन को भी समझना चाहिए। उन्होंने एक क्रिकेटर का उदाहरण दिया जो सुबह 4 बजे उठकर साइकिल से अभ्यास के लिए जाता है। उन्होंने कहा कि सपनों को कड़ी मेहनत और नियमित दिनचर्या से साकार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता खुद अपनी पहचान बनाती है और जब कोई नंबर एक बन जाता है, तो पूरा स्कूल, गांव और समुदाय इसे पहचान लेता है।

PM's Mantras

- ✓ Never settle in life, always strive for more.
- ✓ It is important to make sports a part of life.
- ✓ India is incredible- travel and explore.
- ✓ Don't become a slave to technology.

इसके बाद छात्रों ने वारली, लिपन और पिथोरा कला सहित अपनी सांस्कृतिक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया और उनकी परंपराओं के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने उनकी कृतियों की सराहना करते हुए पूछा कि क्या उन्होंने इन्हें हाथ से बनाया है। प्रधानमंत्री ने उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा, "आप लोग महान कलाकार बन गए हैं।" उन्होंने चित्रों को पाकर प्रसन्नता व्यक्त की और उनकी सांस्कृतिक गहराई और रचनात्मकता की सराहना की। छात्रों ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगा जैसे वे किसी मित्र से बात कर रहे हों और इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से उनके काम की सराहना की।

शिक्षकों और आदिवासी युवाओं की भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जीवन में शिक्षकों की भूमिका के बारे में एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि शिक्षकों ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने याद किया कि कैसे उनके शिक्षक उन्हें प्रतिदिन पुस्तकालय जाने, टाइम्स ऑफ इंडिया में संपादकीय पढ़ने, उसे लिखने और अगले दिन उस पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जिससे उनमें अनुशासन और जिज्ञासा का भाव पैदा हुआ। उन्होंने अपने प्राथमिक विद्यालय के दिनों के परमार सर की यादें साझा कीं, जो शारीरिक फिटनेस पर बहुत जोर देते थे और उन्हें योग व मल्लखंब सिखाते थे। भले ही वे पेशेवर खिलाड़ी नहीं बन पाए लेकिन इससे उन्हें स्वास्थ्य का महत्व समझ में आया। उन्होंने कहा कि हर महान व्यक्तित्व के जीवन में दो प्रमुख प्रभाव हमेशा याद रखे जाते हैं- एक उनकी माता का और दूसरा, उनके शिक्षक का।

देश की प्रगति में आदिवासी समुदायों के योगदान के बारे में पूछे जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने उनकी बदौलत ही उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की प्रकृति के प्रति श्रद्धा और समर्पण के कारण ही भारत का पर्यावरण

संरक्षित है, क्योंकि वे प्रकृति की पूजा और रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों के बड़ी संख्या में बेटे-बेटियां सशस्त्र बलों में सेवारत हैं। उन्होंने बताया कि आदिवासी युवा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश की क्रांति गौड़ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि क्रिकेट में पहचान बनाने वाली एक आदिवासी बेटी क्रांति गौड़ और कई अन्य आदिवासी खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों में अपार प्रतिभा है और प्रौद्योगिकी के सहयोग से उनकी क्षमता और भी बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि जीवन केवल नौकरी के लिए नहीं जीना चाहिए, बल्कि एक सार्थक जीवन के निर्माण के सपनों के साथ जीना चाहिए, जो सच्चा लाभ प्रदान करे।

उसके बाद श्री मोदी ने मोगी माता को समर्पित विद्यार्थियों द्वारा गाया गया सामूहिक गीत सुना, जिसमें उनके निवास स्थान और जीवन शैली का वर्णन था। उन्होंने उसमें निहित सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की सराहना की। विद्यार्थियों ने बताया कि मा.

प्रधानमंत्री से हुई बातचीत में जीवन में खुश रहने, तनाव दूर करने, समय का प्रभावी प्रबंधन करने और बिना किसी भय के परीक्षा की तैयारी करने के विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था तथा बातचीत के दौरान समय का पता ही नहीं चला।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'परीक्षा पे चर्चा' का सफर पूर्वोत्तर के अष्टलक्ष्मी क्षेत्र तक पहुंच गया है, जहां बहते ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे गुवाहटी में चर्चाएं हुईं। उनका पारंपरिक गमोसा से स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि असम में ऐसा करना अनिवार्य है। छात्रों ने बताया कि उनकी उपस्थिति से उन्हें शांति मिली और उनकी चिंता कम हुई। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या उन्होंने पहले टेलीविजन पर कार्यक्रम देखा था या उनकी किताब 'एग्जाम वॉरियर' पढ़ी थी, तो छात्रों ने बताया कि इससे परीक्षा को लेकर उनका डर कम हुआ और उन्हें परीक्षा को त्योहार की तरह मनाने की सीख मिली। उन्होंने कहा कि अक्सर परिवार के सदस्य ही कम अंकों पर सवाल उठाकर डर पैदा करते हैं। उन्होंने अपने इस मंत्र को दोहराया कि प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए, दूसरों से नहीं और आत्म-सुधार निरंतर होना चाहिए।

PM's Mantras

- Don't be impressed by success alone, learn from the humble beginnings of great people.
- Whatever you study never goes to waste, it remains stored in your mind.
- To become a leader, develop the mindset to take initiative.

स्वस्थ आहार और जीवनशैली

खान-पान और जीवनशैली से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे किसी तय प्रणाली का पालन नहीं करते। उन्होंने अपने उन दिनों को याद किया जब वे अलग-अलग घरों में शाकाहारी भोजन करते थे और खुद खिचड़ी जैसे साधारण व्यंजन बनाते थे। उन्होंने सलाह दी कि खान-पान व्यक्तिगत पसंद पर आधारित होना चाहिए, और व्यक्ति को यह तय करना चाहिए कि वह पेट भरने के लिए खाए या मन को संतुष्ट करने के लिए।

उन्होंने कहा कि लोग पेट भरने के लिए अनाज तो खाते हैं, लेकिन अक्सर गहरी सांस लेना भूल जाते हैं। उन्होंने छात्रों को अपने शरीर को प्राथमिकता देने, सूर्योदय देखने जैसी आदतें अपनाने और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि ये अभ्यास ताजगी और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

तुलना के दबाव से निपटना

प्रधानमंत्री मोदी ने एक छात्र की इस चिंता का जवाब देते हुए कि माता-पिता बच्चों की तुलना भाई-बहनों और दोस्तों से कर रहे हैं, कहा कि ऐसी स्थितियों को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। उन्होंने समझाया कि अगर माता-पिता भाई-बहन की लिखावट की तारीफ करते हैं, तो उपेक्षित महसूस करने के बजाय, सही प्रतिक्रिया यह है कि उस भाई-बहन से उसे सिखाने के लिए कहा जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने भाई-बहनों की खूबियों से सीखना चाहिए और माता-पिता से कहना चाहिए, "आपने मेरी एक अच्छी खूबी बताई है, अब मुझे बताएं कि इसे कैसे विकसित किया जाए।" उन्होंने सलाह दी कि माता-पिता को दूसरों के सामने किसी एक बच्चे की अत्यधिक प्रशंसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे असंतुलन पैदा हो सकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अगर कोई करीबी किसी चीज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है, तो बिना बताए चुपचाप उसे अपना गुरू मानना चाहिए और सलाह मांगनी चाहिए, जिससे समानता और सम्मान को बढ़ावा मिलता है।

PM's Mantras

- India's progress is enriched by its tribal communities.
- Practice by writing, not just reading.
- Technology is a great teacher, Embrace it.
- Strong infrastructure is the foundation for long-term development.

खुद पर विश्वास

मंच पर भय और आत्मविश्वास के मुद्दे पर, प्रधानमंत्री ने समझाया कि आत्मविश्वास दो शब्दों- "आत्मा" और "विश्वास" से आता है, जिसका अर्थ है स्वयं पर विश्वास। उन्होंने कहा कि जो लोग खुदपर भरोसा करते हैं, वे कभी नहीं डरते और वे कार्य करने से पहले स्थितियों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध शिकागो भाषण को याद करते हुए कहा कि विवेकानंद शुरू में घबराए हुए थे, लेकिन उन्होंने शक्ति के लिए मां सरस्वती से प्रार्थना की और जब उन्होंने "अमेरिका के बहनों और भाइयों" से शुरुआत की, तो श्रोताओं ने कई मिनटों तक तालियां बजाईं, जो एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। सचिन तेंदुलकर के शून्य पर आउट होने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि महान वक्ताओं और खिलाड़ियों को भी असफलताओं का सामना करना पड़ता है लेकिन वे कभी आत्मविश्वास नहीं खोते। उन्होंने छात्रों से परिस्थिति को समझने, चुनौतियों को स्वीकार करने और अपनी आंतरिक शक्ति पर भरोसा करने का आग्रह किया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका का एक गीत प्रस्तुत किया जिसकी प्रधानमंत्री ने सराहना की। एक छात्रा ने चाय बागानों से अपने परिवार के जुड़ाव के बारे में बताया और उन्हें चाय की पत्तियां भेंट कीं, जिस पर उन्होंने स्नेहपूर्वक प्रतिक्रिया देते हुए उनकी माताजी को अपना प्रणाम कहा। छात्रों ने उनसे मिलकर खुशी व्यक्त की और कहा कि पीढ़ी के अंतर के बावजूद उन्हें कुछ भी अलग महसूस नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री ने अंत में कहा कि परीक्षा पे चर्चा में न केवल परीक्षा संबंधी चर्चाएं शामिल थीं, बल्कि स्थानीय संगीत और असम की चाय भी शामिल थी, जिसने इसे एक यादगार अनुभव बना दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं एक अवसर हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, तैयारी को बेहतर बनाती है। उन्होंने कहा कि स्थान, छात्र और अनुभव भले ही अलग-अलग हों लेकिन हर चर्चा का उद्देश्य एक ही था–सुनना, समझना और साथ मिलकर सीखना। उन्होंने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

(साभार- पी.आई.बी.)

परीक्षा पे चर्चा 2026: के.वि के लाखों विद्यार्थियों को मिला आत्मविश्वास का मंत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रेरणादायी कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विद्यार्थियों से सीधे चर्चा की और उन्हें परीक्षा के दबाव को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने के सूत्र बताए। इस विशेष संवाद के दो एपिसोड तैयार किए गए, जिनका लाइव प्रसारण देश के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में किया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और एकाग्रता के साथ कार्यक्रम का अवलोकन किया।

एपिसोड–1 (6 फरवरी 2026)

'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के पहले एपिसोड का देशभर के सभी 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में लाइव प्रसारण किया गया। विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए परीक्षा-भय से मुक्ति के प्रेरक सूत्रों को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान के.वि.सं. आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम श्री के.वि. से. 2 आर.के.पुरम, दिल्ली में विद्यार्थियों के संग कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

दर्शकों की संख्या का विवरण

विद्यार्थी	शिक्षक	अभिभावक	कुल
7,05,808	43,237	41,380	7,90,425

एपिसोड–2 (9 फरवरी 2026)

'परीक्षा पे चर्चा 2026' के दूसरे एपिसोड में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोयम्बटूर, रायपुर, देव मोगरा और गुवाहटी के विद्यार्थियों के साथ आत्मीय एवं अनौपचारिक संवाद किया। इसका लाइव प्रसारण सभी केन्द्रीय विद्यालयों में दिखाया गया, जहाँ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को देखा और महत्वपूर्ण संदेशों से प्रेरणा प्राप्त की। वहीं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3, दिल्ली कैंट में वरिष्ठ अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम का अवलोकन किया।

दर्शकों की संख्या का विवरण

विद्यार्थी	शिक्षक	अभिभावक	कुल
6,12,209	37,833	25,885	6,76,627

PPC Anthem

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने 'परीक्षा पे चर्चा' का एंथम अनेक भारतीय भाषाओं में रचकर और सुरों में पिरोकर प्रस्तुत किया, जिसने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की सजीव और प्रेरणादायी झलक प्रस्तुत की।

पीपीसी एंथम सुनने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

LIVE *Streaming of PPC 2026 at KVS (HQ)*

LIVE *Streaming of PPC 2026 at KV Moscow*

The live telecast of both episodes was also viewed at KVS HQ, New Delhi. Additionally, students and teachers of Kendriya Vidyalaya Moscow attended a special screening at the Embassy of India, Moscow, in the presence of the Ambassador of India and other dignitaries.

Voices of Inspiration

Students Reflect on Their Pariksha Pe Charcha 2026 Experience

Four KV students were selected to represent the spirit of curiosity, confidence, and learner leadership in the PPC programme. Their participation reflects the diverse talent and academic enthusiasm nurtured across KVS.

Mansi Papnai
PM SHRI KV Sec. 2 R. K. Puram
KVS RO Delhi

A Dream Realised, A Perspective Transformed

Participating in the 9th edition of PPC was an extraordinary honour and a life-enriching experience. Interacting with the Hon'ble PM Sh. Narendra Modi, under his visionary initiative, remains one of the most cherished milestones of my academic journey. The programme reflected the spirit of Ek Bharat Shreshtha Bharat, as I connected with students from different regions and celebrated India's unity in diversity.

Meeting the PM felt like a dream. His warmth and humility instantly eased my apprehensions, and his personal interaction during breakfast, along with thoughtful questions about my interests, made the moment unforgettable. His guidance on prioritising tasks and his message that exams are a festival of learning transformed my perspective, replacing fear with confidence. I am deeply grateful to the KVS and the MoE for this inspiring opportunity.

Nikhil R. Nair
PM SHRI KV OCF Avadi
KVS RO Chennai

A Moment of Confidence and Change

Participating in Pariksha Pe Charcha 2026 was one of the most unforgettable and transformative experiences of my life. Meeting our Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi, in person was truly a blessed moment. One of the most cherished surprises happened during breakfast when he suddenly walked in to meet us, turning an ordinary moment into one filled with excitement and pride. His warm interaction felt personal and inspiring. Later, during the main session in Delhi, I had the honour of asking a question about handling exam stress when guests ask about marks. His practical advice—to shift the conversation by asking about their own experiences—felt simple yet powerful. Pariksha Pe Charcha 2026 was not just an academic event for me; it strengthened my confidence, broadened my perspective, and inspired me to face exams and life with calmness, positivity, and courage.

Lalthalmuanpui Pachuau
PM SHRI KV Aizawl
KVS RO Silchar

A Conversation that boosted My Confidence

I, Lalthalmuanpui of PM SHRI KV Aizawl, feel truly blessed and grateful to be part of Pariksha Pe Charcha 2026 (9th Edition) and to receive the rare opportunity to meet our Hon'ble Prime Minister, Narendra Modi. The interaction was deeply inspiring and motivating. His words gave me clarity, confidence, and a positive approach towards studies and life. I had struggled with exam stress, but his guidance on focus, self-belief, and stress management strengthened me greatly. This unforgettable experience encouraged me to work harder with determination and optimism. I sincerely thank KVS (HQ), KVS RO Silchar, and Mizoram Samagra Shiksha for this opportunity.

Pinotoli Kappo
PM SHRI KV Dimapur
KVS RO Tinsukia

An Honour That Inspired My Journey

I feel honoured and privileged to have attended Pariksha Pe Charcha and interacted with the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. My journey began on 19 January 2026, and I stayed at the National Institute of Education Guest House, where the arrangements were excellent and well organised.

I was proud to ask a question to the Hon'ble Prime Minister, and his response deeply inspired and motivated me. The programme taught me valuable lessons about confidence, positive thinking, and managing exam stress effectively. During my visit, I also witnessed the dress rehearsal of the Republic Day Parade and explored historic landmarks like the Qutub Minar and the Pradhanmantri Sangrahalaya.

I sincerely thank my respected Principal and escort teacher for their constant guidance and support. This experience has strengthened my determination to work harder and achieve my goals.

"बढ़ता चल..." की स्वर लहरियों ने पीपीसी - 2026 को बनाया यादगार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के प्रथम एपिसोड में दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर विद्यार्थियों से आत्मीय एवं प्रेरक संवाद किया। कार्यक्रम में देशभर से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा गीत और कविताओं के माध्यम से अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। इसी क्रम में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर-2 आर.के. पुरम, नई दिल्ली की छात्रा मानसी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपनी माता द्वारा रचित एक प्रेरणादायक गीत गाया। मानसी की मधुर और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति ने वहां उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। गीत समाप्त होते ही पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मानसी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी माता द्वारा सिखाया गया यह गीत अत्यंत अद्भुत और प्रेरणास्पद है, जो जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और कठिनाइयों से संघर्ष करने का संदेश देता है।

गीत सुनने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें

मानसी द्वारा प्रस्तुत गीत की पंक्तियाँ —

"बढ़ता चल, तू बढ़ता चल,
करता चल, तू करता चल...।"

के.वि. में पीपीसी का रंग 11 गतिविधियों के संग

#SwadeshiPPC

1. विद्यार्थियों ने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने का लिया संकल्प

12 जनवरी 2026: विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनाव को कम करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम के तहत देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी श्रृंखला में स्वामी विवेकानंद की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर देशभर के 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में 'संकल्प दौड़' का प्रेरक आयोजन किया गया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान में 3,23,847 विद्यार्थियों तथा 18,043 शिक्षकों ने उत्साह और ऊर्जा के साथ सहभागिता की। विद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ सामूहिक रूप से दौड़ में भाग लिया, जिससे एकजुटता, अनुशासन और प्रेरणा का वातावरण निर्मित हुआ। 'संकल्प दौड़' का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा।

2. वंदे मातरम् के गान से विद्यार्थियों में नई उर्जा का संचार

13 जनवरी 2026: विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनाव को कम करने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम के तहत देशभर के 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में एक साथ, एक समय पर 'वंदे मातरम्' का सम्पूर्ण सामूहिक गान किया गया। इस राष्ट्रव्यापी पहल में 5,00,550 विद्यार्थियों तथा 24,215 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भावपूर्ण स्वर में गूंजे 'वंदे मातरम्' ने विद्यालय परिसरों को देशभक्ति और ऊर्जा से भर दिया। सामूहिक गान के माध्यम से विद्यार्थियों ने माननीय प्रधानमंत्री के उस प्रेरक संदेश को भी आत्मसात किया, जिसमें परीक्षा को तनाव का कारण नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर बताया गया है।

#VandematramPPC

3. पीपीसी की खास पहल: पारंपरिक खेल, पॉजिटिव माइंड

#BhartiyaGamesPPC

14 जनवरी 2026: विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनाव को कम करने के उद्देश्य से परीक्षा पे चर्चा 2026 (पीपीसी) कार्यक्रम के तहत देशभर के सभी 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में भारतीय पारंपरिक खेलों का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष गतिविधि में 1,36,046 विद्यार्थियों तथा 7,403 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस आयोजन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को परीक्षा संबंधी तनाव से दूर रखते हुए देशज खेलों के माध्यम से उनके शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन और भावनात्मक सुदृढता को सशक्त बनाना था। विद्यालय परिसरों में कबड्डी, खो-खो, गिट्टे, सितोलिया, लंगड़ी चाल जैसे अनेक स्वदेशी खेलों की जीवंत झलक देखने को मिली।

4. परीक्षा पे चर्चा: मीम के जरिए तनाव पर जीत

15 जनवरी 2026: देशभर के 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए एक अभिन्न पहल 'मीम निर्माण' का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक पहल में 1,36,046 विद्यार्थियों और 7,403 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी तनाव को सकारात्मक, सहज और आनंदपूर्ण तरीके से अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करना था। मीम निर्माण के माध्यम से विद्यार्थियों ने पढ़ाई, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा परीक्षा के प्रति संतुलित और स्वस्थ दृष्टिकोण जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित की।

#StudentsVoicesPPC

5. नुक्कड़ नाटक बना नए दृष्टिकोण का संदेशवाहक

16 जनवरी 2026: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरक पहल 'परीक्षा पे चर्चा' के अंतर्गत देशभर के सभी 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, परीक्षा संबंधी तनाव में कमी तथा सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस सृजनात्मक गतिविधि में 1,04,209 विद्यार्थियों एवं 7,019 शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह प्रेरक संदेश दिया गया कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, न कि भय या दबाव का कारण।

#ExamWarriorPPC

6. विद्यार्थियों ने खुद सुनाई सफलता की कहानी

17 जनवरी 2026: परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर के 1289 केन्द्रीय विद्यालयों में शॉर्ट वीडियो एवं स्टूडेंट टेस्टिमोनियल्स गतिविधि का आयोजन किया गया। इस पहल में 66,434 विद्यार्थियों और 5,206 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि के तहत विद्यार्थियों ने लघु वीडियो बनाकर परीक्षा की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार वे अध्ययन की योजना बनाते हैं, समय का प्रभावी उपयोग करते हैं, चुनौतियों का सामना करते हैं तथा मानसिक संतुलन बनाए रखते हैं। कई विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्यों में उल्लेख किया कि परीक्षा पे चर्चा ने उनके सोचने के दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन किया है और उन्हें परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि आत्मविकास के अवसर के रूप में स्वीकार करने की प्रेरणा दी है।

#LetsTalkPPC

7. सवाल भी, समाधान भी: 'परीक्षा पे चर्चा' का स्टूडेंट एडिशन

19 जनवरी 2026: परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में स्टूडेंट गेस्ट इंटरेक्टिव सेशन का आयोजन किया गया। इस सार्थक पहल में 79,961 विद्यार्थियों एवं 4,334 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी दबाव से उबारते हुए उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और प्रभावी अध्ययन पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि विद्यार्थियों ने स्वयं 'स्टूडेंट गेस्ट' की भूमिका निभाई और अपने अनुभव साथियों के साथ साझा किए। उन्होंने तैयारी के दौरान अपनाई गई रणनीतियाँ, समय प्रबंधन के व्यावहारिक उपाय तथा परीक्षा के समय मानसिक संतुलन बनाए रखने के सुझाव प्रस्तुत किए।

#StudentsDialoguePPC

8. योग की पाठशाला: परीक्षा से पहले विद्यार्थी हुए तनावमुक्त

20 जनवरी 2026: परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में योग एवं मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस व्यापक पहल में 2,68,263 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वहीं 11,546 शिक्षक भी मार्गदर्शक और सहभागी के रूप में सक्रिय रूप से जुड़े। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों ने योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया। इस सत्र का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं था, बल्कि मानसिक संतुलन, एकाग्रता और आत्मनियंत्रण को सुदृढ़ करना भी था। योग के माध्यम से विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास, संयम और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा का सामना करने का संकल्प भी लिया।

#YogaForPPC

9. शब्दों और सुरों से मिला परीक्षा के डर पर विजय का हौसला

21 जनवरी 2026: केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सभी 1289 विद्यालयों में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत कविता पाठ एवं समूह गान का प्रेरणादायी आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक गतिविधि में 1,39,281 विद्यार्थियों तथा 7,418 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने ओजस्वी कविताओं के पाठ और मधुर गीतों के माध्यम से परिश्रम, धैर्य, आत्मबल और आशावाद जैसे जीवन मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रस्तुत रचनाओं में यह संदेश प्रमुखता से उभरकर आया कि परीक्षा भय का विषय नहीं, बल्कि सीखने और आत्मविकास का सशक्त अवसर है।

#TellTalesPPC

10. रचनात्मकता के रंग, आत्मविश्वास के संग

22 जनवरी 2026: परीक्षा पे चर्चा के अंतर्गत देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में पोस्टर निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक पहल में 85,351 विद्यार्थियों और 4,392 शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता का परिचय देते हुए रंगों और चित्रों के माध्यम से परीक्षा से जुड़े विविध विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास, आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन तथा सकारात्मक सोच जैसे महत्वपूर्ण संदेश पोस्टरों में प्रमुखता से उभरकर सामने आए।

#MyPPC

II. परीक्षा पे चर्चा को मिला पराक्रम का आयाम, केन्द्रीय विद्यालयों में गूंजा राष्ट्रीय एकता का स्वर

परीक्षा पे चर्चा को केवल परीक्षा संवाद तक सीमित न रखते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने इसे जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव से जोड़ने की दिशा में निरंतर सार्थक पहल की है। इसी क्रम में पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती) के अवसर पर 23 जनवरी 2026 को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक विशेष क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धन के साथ-साथ प्रेरणा और आत्मबल को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच बना।

देशभर के 575 केन्द्रीय विद्यालयों में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 57,420 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इनमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम श्री विद्यालय, सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों तथा विभिन्न राज्य बोर्डों के विद्यार्थी शामिल हुए। व्यापक भागीदारी ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

क्विज के प्रश्न देश की सुरक्षा, सशस्त्र बलों के साहसिक अभियानों, रणनीतिक निर्णयों और अद्वितीय वीरता से जुड़े विषयों पर आधारित थे। प्रश्नोत्तरी इस प्रकार तैयार की गई थी कि वह केवल तथ्यों के स्मरण तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता, तार्किक सोच और समसामयिक समझ को भी परखे। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर देते हुए राष्ट्र के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को अभिव्यक्त किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के रूप में मनाए जाने वाले पराक्रम दिवस की प्रेरणा इस आयोजन की मूल आत्मा रही। नेताजी के साहस, नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण के आदर्शों ने विद्यार्थियों को गहराई से प्रभावित किया। प्रतियोगिता मानो नेताजी के इस संदेश को साकार करती दिखाई दी कि साहस और दृढ़ संकल्प से ही इतिहास का निर्माण होता है।

यह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का माध्यम भी बना। समूहों में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों ने टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की योग्यता और अनुशासन के महत्व को व्यवहारिक रूप से अनुभव किया। इस पहल ने न केवल शैक्षणिक ज्ञान को समृद्ध किया, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी एक सशक्त कदम सिद्ध होकर विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार और आत्मविश्वासी नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

Students Quiz on Operation Sindoor for Parakram Diwas

OPERATION SINDOOR

The Quiz Competition organised by KVS in Vidyalayas across the country was widely publicised on social media. The impact was significant, with the event trending at No. 1 in Today's News on X (formerly Twitter) for several hours.

KVians awarded by the Hon'ble President of India

New Delhi: 8 KVians among other students were honoured under the Skilling for AI Readiness (SOAR) programme by the Hon'ble President of India, Smt. Droupadi Murmu on 1 January 2026 at Rashtrapati Bhavan. The ceremony was held in the presence of Hon'ble Minister of Education Sh. Dharmendra Pradhan and Hon'ble Minister of State for Education Sh.Jayant Chaudhary. The recognition is part of an initiative by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, which celebrates student excellence in artificial intelligence and emerging technologies. The SOAR programme aims to equip learners and educators with future-ready skills in an increasingly digital world.

Awarded KVians:

1. Swastik Roy
2. Sukhjot Singh
3. Sarah Shams Shabbir
4. Tejas
5. Mansi Negi
6. Jiya Patel
7. Chakshu Bhardwaj
8. Manvi Sahu

माननीय प्रधानमंत्री के साथ प्रेरणादायी यात्रा

गुवाहटी, 17 जनवरी 2026: केन्द्रीय विद्यालय मालदा के विद्यार्थियों के लिए यह दिन एक दुर्लभ और अविस्मरणीय अनुभव लेकर आया, जब उन्हें भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के उद्घाटन अवसर पर मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ यात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह ऐतिहासिक ट्रेन हावड़ा कामाख्या (गुवाहटी) मार्ग पर संचालित की गई, जिसका उद्घाटन मालदा से किया गया। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय विद्यालय आईओसी नूनमाटी एवं केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी गुवाहटी के विद्यार्थियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कामाख्या हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस के वर्चुअल फ्लैग-ऑफ कार्यक्रम का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त किया। इस अवसर को और भी ज्ञानवर्धक बनाते हुए विद्यार्थियों ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में भी सहभागिता की, जहाँ उन्होंने अपने ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए।

Union Budget 2026-27: Big Boost for KVS

In a significant move to the Government of India has increased the budgetary allocation for Kendriya Vidyalaya Sangathan to ₹10,129.41 crore for the 2026–27 financial year. This upward trajectory from the previous year's ₹9,503.84 crore reflects a steadfast commitment to elevating the quality of school education. This enhanced funding will play a pivotal role in scaling our ongoing teacher training programs, expanding STEM labs, and ensuring that every KVS classroom in facilitated with latest infrastructure for learning and growth.

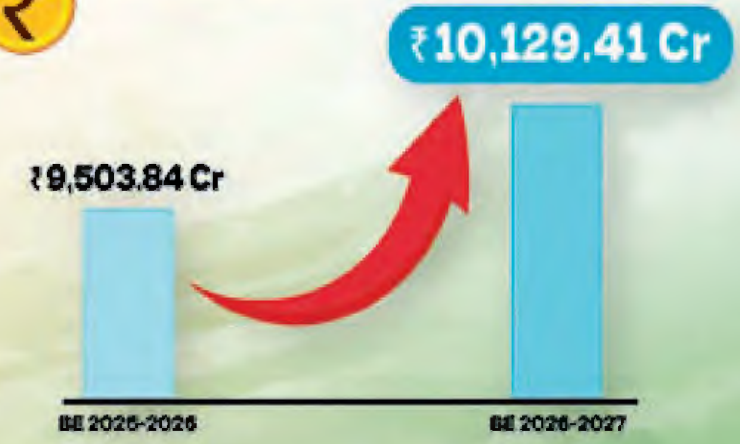

उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस-2026

नई दिल्ली, 26 जनवरी 2026: देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमा, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर प्रातःकाल विधिवत राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया। विद्यालय परिसर तिरंगे की छटा और देशभक्ति के नारों से गुंजायमान हो उठे। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, सामूहिक गायन, नृत्य-नाटिका एवं संविधान तथा महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। इन कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ किया। केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.) में भी प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के अवसर पर अधिकारियों ने अपने प्रेरणादायी संदेश में भारतीय संविधान के मूल आदर्शों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को जीवन में आत्मसात करने पर बल दिया तथा सभी को राष्ट्रहित में निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया।

शिक्षा मंत्रालय की झांकी के साथ के.वि. के विद्यार्थियों की दमदार प्रस्तुति जीता सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार

नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस परेड 2026 में शिक्षा मंत्रालय की झांकी ने देश की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे व्यापक परिवर्तन और प्रगति को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा भारतीय स्कूली शिक्षा का विकसित भारत की ओर गतिवर्धन" थीम पर आधारित इस झांकी ने एक शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रभावी रूप से दर्शाया। इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए शिक्षा मंत्रालय की झांकी को केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों की श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ झांकी (जनप्रिय चयन)' का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया, जो इसकी लोकप्रियता और प्रभावशीलता का प्रमाण है।

के.वि. के विद्यार्थियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

झांकी के साथ केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य और मार्शल आर्ट्स की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल एनईपी 2020 की मूल भावना को जीवंत किया, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को भी साकार रूप में प्रस्तुत किया। यह क्षण केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लिए विशेष गौरव का विषय बना।

झांकी में देखने को मिला अद्भुत समन्वय

झांकी में भारत की समृद्ध विरासत और आधुनिक शिक्षा का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के 'शून्य' के प्रतीक के माध्यम से प्राचीन ज्ञान परंपरा को रेखांकित किया गया, वहीं डिजिटल तकनीक, कौशल विकास और सतत विकास को अपनाते विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षा की दिशा को स्पष्ट किया।

पीएम श्री विद्यालयों के अंतर्गत 'जादुई पिटारा' के माध्यम से आनंदमय आधारभूत शिक्षा, कला, खेल और योग के जरिए अनुभवात्मक अधिगम, साथ ही कौशल विकास और 'मिशन लाइफ' के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया।

झांकी का आकर्षण 'विकसित भारत 2047' का टावर रहा, जिसमें स्मार्ट कक्षाओं और अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक रॉकेट की तरह शिक्षा सुधारों को गति दे रही है, जो ज्ञान-आधारित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

AI VidyaSetu 1.0: Code for New Bharat

When Classrooms Met Code, and Curiosity Found a New Language

The room filled with the power of technology and curious minds; teenagers from 913 PM SHRI KVs, their eyes bright, handed tools that matched their ambitions and told to solve problems they cared about.

AI VidyaSetu 1.0, organised by IHFC (Technology Innovation Hub, IIT Delhi) in collaboration with KVS under the PM SHRI Scheme, aligned with NEP 2020 and the vision of Digital India and Viksit Bharat @2047. AI VidyaSetu opened doors for students of Classes VIII to XII to step into the world of Artificial Intelligence, Machine Learning, and App Development, not as spectators, but as creators.

AI VidyaSetu 1.0 was not just a hackathon. It was KVS asking its students a simple, brave question:
Can you use technology to change what needs changing?
And the students answered. **Loudly. Creatively. Fearlessly.**

The Numbers That Tell a Deeper Story

More than 17000 students formed 3652 teams. They weren't competing for medals. They were learning to think like builders, of apps, of solutions, of systems that might one day shape how India works. And behind every team stood a teacher, 1700 of them, guiding, mentoring, believing.

Junior and Senior groups worked side by side, learning computational thinking, problem-solving, and teamwork, discovering that technology is not only about machines, but about mindset.

From Bootcamps to Breakthroughs

The hackathon was conducted in both online and offline phases.

Online Phase

Bootcamps, assessments, advanced learning, and regional rounds shaped skills slowly and steadily.

National-level KVS Hackathon (Offline Phase)

As part of this initiative, a National-level KVS Hackathon was organised on 8th and 9th January 2026 at PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1, Delhi Cantt., New Delhi. 290 finalists from five zones stood not just with projects but with confidence on stage that tested their skill, imagination, collaboration, and teamwork.

Activities Included:

- 8-hour coding challenge
- Team presentations before an expert jury
- Knowledge sessions by IIT professors and jury members
- Final presentations by winning teams

Awards and Recognition

Junior Category

Winner
PM SHRI KV IIT Powai (KVS RO Mumbai)
Team Members
Karthik Baskar
Aarya Rajesh Patkar
Nimrit Gambhir
Tansy Mishra
Amaan Adi Ahmed Sayed
Mentor
Ms. Swati Sharma
Award of ₹ 25000/-

1st Runner-up
PM SHRI KV No. 1 Sagar Cantt. (KVS RO Jabalpur)
Team Members
Mehul Kumar Ansh
Abhinav Gautam
Tanish Nandwar
Shourya Satyarth
Mentor
Mr. Alok Tiwari
Award of ₹ 15000/-

2nd Runner-up
PM SHRI KV Dumka (KVS RO Ranchi)
Team Members
Yash Raj Gupta
Roshan Bharti
Anup Raj
Mentor
Mr. Abhishek Upadhyay
Award of ₹ 10000/-

Best Presentation Award
PM SHRI KV No.1 Amritsar Cantt. (KVS RO Chandigarh)
Most Innovative Idea
PM SHRI KV No.1 Sagar Cantt. (KVS RO Jabalpur)
Best Problem Identification
PM SHRI KV Dumka (KVS RO Ranchi)
Best Teamwork
PM SHRI KV Gomti Nagar (KVS RO Lucknow)
Judge's Choice
PM SHRI KV IIT Powai (KVS RO Mumbai)

Senior Category

Winner
PM SHRI KV Dhar (KVS RO Bhopal)
Team Members
Lakshya Thakur
Yuvraj Singh Thakur
Keshav Naroliya
Mohit Pandagre
Parth Savdekar
Mentor
Mr. Satyendra Kumrawat
Award of ₹ 25000/-

1st Runner-up
PM SHRI KV Churu (KVS RO Jaipur)
Team Members
Ajit Singh Rathore
Ashish
Radhika
Monika
Vishesh Kaswan
Mentor
Mr. Rajesh Kumar
Award of ₹ 15000/-

2nd Runner-up
PM SHRI KV Badwani (KVS RO Bhopal)
Team Members
Aadeesh Jain
Naman Thakur
Gracy Gupta
Mentor
Ms. Abha Jain
Award of ₹ 10000/-

Best Presentation Award
PM SHRI KV Uttarkashi (KVS RO Dehradun)
Most Innovative Idea
PM SHRI KV Panagarh (KVS RO Kolkata)
Best Problem Identification
PM SHRI KV Santragachi (KVS RO Kolkata)
Best Teamwork
PM SHRI KV Churu (KVS RO Jaipur)
Judge's Choice
PM SHRI KV Baruipur (KVS RO Kolkata)

KV Students in Top 100 ATL Tinkerpreneur 2025

Five KV students have featured among the Top 100 ATL Tinkerpreneur 2025 winners for their innovative ideas contributing to India's AI-enabled future.

ATL Tinkerpreneur, organised by Atal Innovation Mission (AIM) in collaboration with NITI Aayog, is a digital skills and entrepreneurship programme for Classes 6 to 12 that provides mentorship, hands-on training, and a final pitch contest to develop solutions for societal needs.

Sreedatta Karthikeya Gorthi
School: KV IISc, Bengaluru
KVS RO: Bengaluru
Product Title: Kinetic Flywheel Pulse Pump (KFPP)

Jagdeep Sivakumar
School: KV No. 2 Pondicherry
KVS RO: Chennai
Product Title: Women's Safety Device – Silent Strength, Instant Protection

Urvashi Agrawal
School: PM SHRI KV No. 1, Bhopal
KVS RO: Bhopal
Product Title: Adorn Meksha

Deepanshu Jha
School: Dr. Rajendra Prasad KV
KVS RO: Delhi
Product Title: Sanket Vision

Richit Bhat
School: PM SHRI KV No. 2 Jammu Cantt.
KVS RO: Jammu
Product Title: AI-Based Traffic Lights

Scientific Temper Highlighted as KVs Observe National Science Day

National Science Day was celebrated in all KVs across the nation on 28 February 2026 to commemorate the discovery of the Raman Effect by renowned **Indian physicist Sir C. V. Raman**. The day was observed with sincerity and academic spirit. During special morning assemblies, students were sensitised to the significance of the day and the remarkable contribution of Sir C. V. Raman to science. Teachers highlighted the importance of scientific temper, curiosity, and innovation in everyday life. The observance reinforced respect for scientific inquiry and inspired students to pursue knowledge with questioning minds and creative thinking.

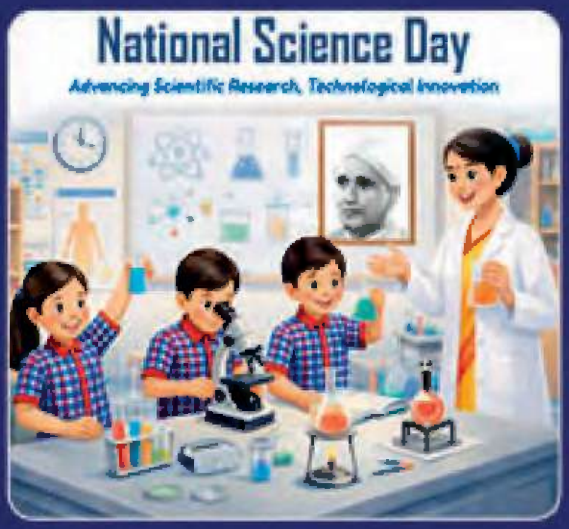

From Classroom to Cosmos Students Meet Space Expert

Students of PM SHRI Kendriya Vidyalaya Barapani had the rare privilege of interacting with astronaut Shubhanshu Shukla during a symposium held at the North Eastern Space Applications Centre, Shillong, on 25 February 2026. The programme offered students valuable exposure to the world of space science and research. They gained first-hand insights into space missions, scientific challenges, and the future of India's space exploration initiatives. The interaction with distinguished scientists and experts proved both enlightening and motivational, inspiring students to pursue careers in science, technology, and innovation with renewed enthusiasm and determination.

One Venue, Two National-Level Meetings

Administrative Officers' Meet

The Kendriya Vidyalaya Sangathan organized the **1st Administrative Officers Meet–2026** from January 9 to 10 at Srijan Mandapam, Kendriya Vidyalaya No. 2, Bhopal. Administrative Officers from 25 Regional Offices across the country participated in the two-day programme focused on review and capacity building in administration and establishment matters. The meet commenced with an inaugural session and keynote address by Shri Deepesh Gehlot, Additional Commissioner (Admn.), KVS, followed by thematic sessions on digitization, transparency, and operational efficiency led by senior KVS officials. The programme concluded with plenary discussions, identification of actionable points, and a vote of thanks.

Finance Officers' Meet

At the same venue, KVS also conducted the **Annual Finance Officers' Meet** from January 9 to 10, 2026. Finance Officers from across the country deliberated on strengthening financial governance in alignment with the National Education Policy (NEP) 2020. The meet reaffirmed a collective commitment towards teachers' welfare and facilitation, with emphasis on timely financial transactions, simplified and transparent procedures, positive redressal of teachers' issues, and prudent resource management to support the KVS mission of quality education, national integration, and nation building.

मातृभाषा दिवस: भाषाओं की रंगोली से सजे केन्द्रीय विद्यालय

21 फरवरी 2026 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सभी केन्द्रीय विद्यालयों में अत्यंत उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भारत की समृद्ध भाषायी विरासत को रेखांकित करते हुए भारत की विभिन्न भाषाओं के प्रति सम्मान और गौरव प्रकट किया। विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न भारतीय भाषाओं में विचार, कविताएँ एवं संदेश प्रस्तुत किए गए। साथ ही भाषा-प्रदर्शनियों का आयोजन कर क्षेत्रीय भाषाओं की विशेषताओं, साहित्य एवं सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में लोकगीत गाए, कहावतें और सांस्कृतिक प्रसंग साझा किए और 'एकता में विविधता' की भावना को सजीव रूप में अभिव्यक्त किया।

समाज और संस्थानों की साझेदारी से सशक्त होते केन्द्रीय विद्यालय

के.वि. मातनहेल को CSR के अंतर्गत मिली अनेक सुविधाएं

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मातनहेल, झज्जर में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत विद्यालय की आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इस विकास परियोजना के तहत झज्जर पावर लिमिटेड (ग्राम खान्सुर) द्वारा लगभग 25 लाख रुपये की लागत से विद्यालय में 1000 लीटर प्रति घंटा क्षमता का वाणिज्यिक आरओ जलशोधन संयंत्र, 2000 लीटर का जल भंडारण टैंक, चार बड़े वाटर कूलर, 7.5 एचपी की सबमर्सिबल पंप तथा 1600 फीट लंबी जल पाइपलाइन प्रणाली स्थापित की गई। इसके अतिरिक्त विद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण के लिए 250 पौधे, 91,000 वर्ग फुट क्षेत्र में घास की कार्पेटिंग तथा 2,200 फीट लंबाई में हेज प्लांटेशन किया गया। वहीं हरियाणा के मा. मुख्यमंत्री श्री नायाब सिंह सैनी ने विद्यालय को तीन किलोमीटर लंबी स्वच्छ पेयजल पाइपलाइन भी प्रदान की। इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के साथ हरित, स्वच्छ वातावरण भी प्राप्त होगा।

समानता, स्थिरता और उत्कृष्टता की दिशा में हरित कदम

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय रेवाड़ी में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत विद्यालय की आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय उन्नयन किया गया। स्वच्छता और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पॉस्को इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बावल द्वारा टोयोटा बोशोकू के सहयोग से लगभग 53.50 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य संपन्न किए गए। इस पहल के अंतर्गत विद्यालय परिसर में 10 किलोवाट ऑफ-ग्रिड तथा 15 किलोवाट ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई है। साथ ही 10 केवीए इन्वर्टर एवं 15 सोलर स्ट्रीट लाइट्स भी लगाई गई हैं, जिससे विद्यालय में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिला है तथा विद्युत व्यय में उल्लेखनीय कमी आई है। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार पर स्टेनलेस स्टील विज़िटर शेड का निर्माण, कार्यालय क्षेत्र का कवरिंग कार्य, सभा मंच एवं खेल मैदान का नवीनीकरण, शौचालयों का उन्नयन तथा बास्केटबॉल कोर्ट में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की स्थापना की गई है। इन आधारभूत सुधारों से न केवल विद्यालय का भौतिक स्वरूप सुदृढ़ हुआ है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और ऊर्जा-संवहनीय शैक्षणिक वातावरण भी सुनिश्चित हुआ है।

लोकतांत्रिक मूल्यों का संवर्धन: के.वि. में मनाया गया राष्ट्रीय मतदाता दिवस

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अंतर्गत देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया।इस वर्ष मतदाता दिवस की थीम 'मेरा भारत मेरा वोट' रखी गई थी। इस का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, मतदान के अधिकार और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति समझ विकसित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध लेखन, चित्रकला एवं पेंटिंग जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया और लोकतंत्र की महत्ता से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ली तथा निष्पक्ष, नैतिक एवं जिम्मेदार मतदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से लोकतांत्रिक आदर्शों को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

दिल्ली के खजूरी खास में खुला नया केन्द्रीय विद्यालय

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने किया नए भवन हेतु शिलान्यास

नई दिल्ली, 2 मार्च 2026: दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने केन्द्रीय विद्यालय खजूरी खास के अस्थायी भवन का उद्घाटन किया और स्थायी भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया। केन्द्र सरकार द्वारा इस विद्यालय की स्वीकृति दिसंबर 2024 में प्रदान की गई थी। उद्घाटन के अवसर पर श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि खजूरी खास में केन्द्रीय विद्यालय के निर्माण से करावल नगर तथा पूरे उत्तर-पूर्वी दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण सुधार होगा। केन्द्रीय विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा प्राप्त होगी। इस दौरान उनके साथ दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, कानून एवं श्रम मंत्री श्री कपिल मिश्र, उत्तर-पूर्व लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री मनोज तिवारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में के.वि.सं. आयुक्त श्री विकास गुप्ता, अपर आयुक्त (प्रशा.) श्री दीपेश गहलोत सहित के.वि.सं. के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ने भी सहभागिता की।

Nagrik Devo Bhava: KVS Anchors Governance in Citizen-First Ethos

New Delhi, 2 March 2026: Commissioner, KVS Sh. Vikas Gupta chaired a meeting of senior officials at the KVS HQ to discuss the implementation of the Seva Sankalp Resolution adopted by the Union Cabinet. Emphasising the guiding principle of 'Nagrik Devo Bhava,' i.e., governance must place citizens at the centre of every policy and decision.

Referring to the historic first Union Cabinet meeting chaired by Hon'ble Prime Minister Sh. Narendra Modi at the newly constructed 'Seva Teerth' stated that this premise is not merely a modern workplace, but a symbol of a new work culture in governance.

He further noted that with the mantra of 'Minimum Government, Maximum Governance,' transformative reforms such as GST, DBT, and Digital India have made governance more transparent, efficient, and citizen-centric. These sustained efforts have secured India a strong position among the world's leading economies. The deliberations focused on ensuring the effective execution of the resolution, with KVS reaffirming its commitment to nurturing future-ready learners and contributing to the national vision of building a prosperous, capable, and self-reliant India by 2047.

33 KVS won Green School Awards 2025-26

The Centre for Science & Environment (CSE) has rated 33 Kendriya Vidyalayas among India's greenest schools, out of 433 selected nationwide. KVs also won three Special Category Awards, reflecting a strong commitment to eco-friendly practices.

Special Category Awards

Rated Green for Five Consecutive Years: PM SHRI KV No. 2, Mangaluru
GSP Air Action Award: PM SHRI KV, Jhunjhunu
GSP Energy Manager Award: PM SHRI KV, Narela, Delhi

~ Training Activities ~

Mental Health Awareness for School Leaders

A workshop on Mental Health and Well-Being for Principals and Vice-Principals of the Bengaluru Region was held from 15th to 16th January 2026. The workshop was organised by KVS RO Bengaluru in collaboration with NIMHANS, Bengaluru, at KVS ZIET Mysuru. Ms. Chandana Mandal, Additional Commissioner (Acad.), KVS (HQ), delivered an insightful session on 'Mental Health Awareness and Prevention in Schools'.

The workshop aimed to sensitise school leaders to students' mental well-being and preventive measures. Key factors such as academic pressure, social stress, digital exposure, bullying, and emotional support were discussed. Emphasis was laid on a Whole School Approach aligned with NEP 2020, NCF-FS 2022, and NCF-SE 2023.

Foundational Numeracy Workshop

Bengaluru: Ms. Chandana Mandal, Additional Commissioner (Acad.), KVS (HQ), New Delhi, visited the Workshop on Foundational Numeracy held at PM SHRI KV MEG & Centre, Bengaluru, on 15 January 2026. The workshop was organized by Jodo Gyan Education Foundation in collaboration with KVS to strengthen primary education through innovative and inclusive practices.

The programme focused on nurturing young learners, building strong foundational skills, and ensuring that language is not a barrier in teaching mathematics. Emphasis was laid on a bilingual approach, use of regional languages, joyful learning, contextualized teaching, and strategies to enhance mathematical abilities among primary students, empowering educators to adopt learner-centric methods.

From IITs to SAS: How KVS is Rewriting the Playbook for Modern Education

Kendriya Vidyalaya Sangathan is more than just a school system; it's a hub of innovation. By collaborating with the nation's brightest minds, we are transforming how our students learn and how our teachers lead.

Key Highlights of the Transformation:

Our Goal:
to provide our educators with the best tools and our students with the best foundation.

- **Elite STEM Training:** Nearly 7,300 STEM teachers are undergoing advanced training by experts from the Indian Institute of Technology Delhi, Indian Institute of Technology Kharagpur, and Motilal Nehru National Institute of Technology Prayagraj. This initiative is designed to strengthen pedagogy and empower the next generation of innovators within PM SHRI schools.

- **Competency-Based Success:** In a vital shift toward modern assessment, collaborative workshops with the Sri Aurobindo Society are reshaping how we track student progress for Classes I through VIII, moving from rote learning to true competency.
- **The Literacy Initiative:** A strategic partnership with Azim Premji University has introduced the "How to Read and How to Write" course. This program ensures every child builds a rock-solid foundation in communication during their most critical formative years.

Lights, Camera, Action!!

Swipe, Scroll, Reflect: The Chakravyuh Perspective

PM SHRI KV Khanapara has presented 'Chakravyuh', an impactful short film that explores the profound effects of smartphone usage on today's youth. Conceptualized and created through a dynamic collaboration between students and teachers, the film portrays the fine line between opportunity and obsession in today's digital age. It reflects how devices that enable learning and connectivity can also lead to distraction and dependency. With a powerful narrative and relatable performances, Chakravyuh urges viewers to reflect on responsible usage and mindful living in an increasingly screen-driven world.

Scan the QR Code to Watch!

'विवान': समावेशी शिक्षा की प्रेरक कहानी

केन्द्रीय विद्यालय खानापारा के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के जीवन में आने वाले शैक्षणिक संघर्ष, प्रतिभा और संभावनाओं को केंद्र में रखकर एक प्रेरणादायक फिल्म 'विवान' का निर्माण किया है। यह फिल्म राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप तैयार की गई है। फिल्म का मुख्य उद्देश्य समावेशी शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से यह दर्शाना है कि किस प्रकार बिना किसी भेदभाव के सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। 'विवान' में विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के जीवन संघर्ष, उनकी शैक्षणिक यात्रा और अंतर्निहित क्षमताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म यह संदेश देती है कि उचित मार्गदर्शन, सहयोग और सकारात्मक वातावरण मिलने पर सभी विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। फिल्म में शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की भूमिका को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। 'विवान' के माध्यम से पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खानापारा के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया है कि शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को पहचानने, सशक्त बनाने और सम्मान देने का माध्यम भी है।

देखने के लिए स्कैन करें

KV Students Participates in First National Rover Ranger Jamboree

A 71-member Kendriya Vidyalaya Sangathan contingent participated in the 1st National Rover Ranger Jamboree held from 9 to 13 January 2026 at Doodhli, District Balod, Chhattisgarh. The event was inaugurated by the Hon'ble Governor of Chhattisgarh, Shri Ramen Deka. The contingent took part in camps, adventure activities, and cultural programmes, reflecting the spirit of scouting through discipline, service, and leadership. The jamboree focused on promoting all-around development of Rover Rangers through national-level engagement.

के.वि.सं. ने अर्जित किये कुल 10 राजभाषा पुरस्कार

अगरतला, 20 फरवरी 2026: राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के व्यापक प्रयोग, तथा राजभाषा नीति के अनुपालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विभिन्न इकाइयों को वर्ष 2024-25 के राजभाषा पुरस्कार से अलंकृत किया गया। के.वि.सं के 3 विद्यालयों, 6 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 1 जीट को मिलाकर कुल 10 कार्यालयों को यह सम्मान प्रदान किया गया। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित पूर्व, पूर्वोत्तर एवं उत्तरी क्षेत्रों का यह संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

राजभाषा पुरस्कार से अंलकृत के.वि.सं. की इकाइयाँ

क्र.सं.	विद्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय एंव जीट	प्रदान किए गए पुरस्कार की स्थिति
1.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची	प्रथम पुरस्कार
2.	केन्द्रीय विद्यालय कालिम्पॉग	प्रथम पुरस्कार
3.	केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 बोकारो	द्वितीय पुरस्कार
4.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहटी	प्रथम पुरस्कार
5.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन. जीट, चंडीगढ़	प्रथम पुरस्कार
6.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम	तृतीय पुरस्कार
7.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू	द्वितीय पुरस्कार
8.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा	प्रथम पुरस्कार
9.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ	द्वितीय पुरस्कार
10.	केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 वायुसेना, गोरखपुर	द्वितीय पुरस्कार

राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता 7.0
के.वि. की छात्राओं की संगीतात्मक उपलब्धि

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, एससी सेंटर, बेंगलुरु की पाइप बैंड (बालिकाएँ) टीम ने नेशनल स्कूल बैंड प्रतियोगिता 7.0 (2025 26) में कन्सोलेशन प्राइज प्राप्त कर विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय संगठन का नाम गौरवान्वित किया। 24 जनवरी 2026 को आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से चयनित विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। के.वि. की छात्राओं ने अपनी सुसंगठित मार्चिंग, उत्कृष्ट तालमेल, संगीतात्मक सटीकता तथा अनुकरणीय अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों और दर्शकों को समान रूप से प्रभावित किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच टीम का यह प्रदर्शन उनके सतत अभ्यास, समर्पण और सामूहिक प्रयास का जीवंत उदाहरण रहा।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

सिविल सेवा परीक्षा में के.वि. के पूर्व विद्यार्थियों ने रचा इतिहास

संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा 2026 के परिणामों में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पूर्व विद्यार्थियों ने गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। देशभर के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त करने वाले 18 पूर्व विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। इन विद्यार्थियों की सफलता ने एक बार फिर यह प्रमाणित किया है कि केन्द्रीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ अनुशासन, जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा जैसे मूल्यों के लिए भी प्रेरित किया जाता है, जो उन्हें जीवन की बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

केन्द्रीय विद्यालय के चयनित विद्यार्थियों की सूची

क्र. सं.	चयनित उम्मीदवार का नाम	केन्द्रीय विद्यालय का नाम	यूपीएससी में अखिल भारतीय रैंक
1.	वैभवी अग्रवाल	पीएम श्री के.वि. क्र.1 रायपुर	35
2.	दीक्षा राय	के.वि. अंडाल	40
3.	विश्वजीत गुप्ता	पीएम श्री के.वि. क्र.1 ग्वालियर	67
4.	श्रेयांश बडोदिया	पीएम श्री के.वि. सिवनी	194
5.	अंजनी मिश्रा	पीएम श्री के.वि. क्र. 3 भोपाल	274
6.	अनुषा ए एस	पीएम श्री के.वि. बोलारुम	284
7.	संजीव कुमार	पीएम श्री के.वि. केशवपुरम	290
8.	तरुण पंवार	पीएम श्री के.वि. महू	311
9.	तुषार गिरी	पीएम श्री के.वि. डोगरा लाइन्स मेरठ	395
10.	कुणाल अहिराव	के.वि. एएफएस ओझार	430
11.	पद्मजा सुरेश	पीएम श्री के.वि. चेन्नेरकारा	536
12.	अभिज्ञान ज्योति बोरा	के.वि. आरआरएल जोरहाट	570
13.	जैनिश चौहान	के.वि. सैक वस्त्रपुर	589
14.	निखिल पंवार	पीएम श्री के.वि. केएनएन गाजियाबाद	615
15.	अजिना जोस	पीएम श्री के.वि. सैप पेरूकाडा	669
16.	रोहन जैन	के.वि. सेक्ल जमुना कोलियरी	758
17.	नरेंद्र माटूरिया	के.वि. क्र. 2 जयपुर	879
18.	डॉ. प्रांजल बायला	के.वि. नासिराबाद	890

KVs Promote Digital Safety Nationwide

Safer Internet Day was observed in all Kendriya Vidyalayas across the nation on 10 February 2026 under the theme "Smart Tech, Safe Choices – Exploring the Safe and Responsible Use of AI." The observance aligned with the nationwide awareness campaign organized by the Ministry of Electronics and Information Technology under the Information Security Education and Awareness (ISEA) Project. Awareness workshops were organized across schools to educate educators, teachers, and students about online safety, cyber hygiene, major cyber threats, mitigation strategies, and the safe and responsible use of the internet and AI, fostering informed and responsible digital citizenship.

KV Khanapara wins at Jigyasa Aerofest 2025

PM SHRI KV Khanapara emerged as an All India Winner at Jigyasa Aerofest 2025, outperforming the top 20 schools nationwide. Jigyasa Aerofest 2025, an initiative of Council of Scientific & Industrial Research (CSIR) National Aerospace Laboratories, held at CSIR–NAL, Bengaluru, connects school students with aerospace research through drone building, aviation projects, lab visits (NAL, DRDO), presentations, and competitions—promoting hands-on STEM learning and innovation in UAVs, clean energy, and sustainable aviation under CSIR scientists' mentorship.

राजभाषा हिंदी में उल्लेखनीय उपलब्धि: पीएम श्री के.वि. चामराजनगर को मिला तृतीय पुरस्कार

चामराजनगर: भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इन्दौर में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चामराजनगर को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन, प्रचार-प्रसार तथा शासकीय कार्यों में हिंदी के व्यापक उपयोग के लिए किए गए सराहनीय प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा. गृह राज्य मंत्री श्री बांदी संजय कुमार ने विद्यालय के प्राचार्य श्री दविंदर सिंह एवं राजभाषा अधिकारी श्री गंगा प्रसाद अवस्थी को दक्षिण क्षेत्र के संपूर्ण केंद्रीय कार्यालयों में तृतीय पुरस्कार के अंतर्गत शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए।

वीर गाथा 5.0 : के.वि. के विद्यार्थियों ने बढ़ाया राष्ट्रीय गौरव

के.वि.सं. के विद्यार्थियों ने वीर गाथा 5.0 के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए। वीर गाथा 5.0, गैलेंट्री अवॉर्ड्स पोर्टल के तहत संचालित एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारत के वीरता पुरस्कार विजेताओं के साहस, बलिदान और जीवन गाथाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रोजेक्ट वीर गाथा, जो गणतंत्र दिवस समारोहों से जुड़ा हुआ है, में देशभर के करोड़ों विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जो इसकी व्यापक पहुँच और लोकप्रियता को दर्शाता है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के वीर सपूतों की प्रेरक कहानियों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया गया।

विजेता प्रतिभागी

नाम: आराध्या कृष्णा एस
विद्यालय: पीएम श्री के.वि. क्र.1 कालिकट कोझिकोड
संभाग: एर्नाकुलम
गतिविधि: शॉर्ट वीडियो

नाम: नैष्णव राज
विद्यालय: पीएम श्री के.वि. सीआरपीएफ पल्लीपुरम तिरुवनंतपुरम
संभाग: एर्नाकुलम
गतिविधि: शॉर्ट वीडियो

नाम: एलिना
विद्यालय: पीएम श्री के.वि. से. 5 द्वारका
संभाग: दिल्ली
गतिविधि: चित्रकला

898 KV students shine in INSPIRE MANAK Awards

A wave of scientific excellence has swept through the KVS, with 898 students being officially selected for the prestigious INSPIRE–MANAK Award for the 2025–26 academic year. This achievement marks a significant milestone in the KVS mission to nurture young innovators and critical thinkers.

The 'Innovation in Science Pursuit for Inspired Research' scheme is one of the flagship programmes of the Department of Science & Technology, Government of India. The INSPIRE Awards MANAK (Million Minds Augmenting National Aspirations and Knowledge), being executed by DST in collaboration with the National Innovation Foundation of India (NIF).India—aims to foster a culture of creativity and original thinking among school children.

Achievements

KVian Creates History in JEE Main 2026

Ashi Grewal, a former student of PM SHRI Kendriya Vidyalaya Hisar Cantt. (2025 Pass-out), created history by securing an outstanding 99.99 percentile in JEE (Main) 2026, emerging as the only female topper in the examination.

KV Student Brings Home Eight medals

Jeevamsh Subramanya, a student of PM SHRI KV Malleswaram, won 5 Gold, 2 Silver, and 1 Bronze Medals in the AOSI Swimming Championship 2026 held at Bangkok.

KVian in the Asian Taekwondo Championship

Rudra Roy, a student of PM SHRI KV AFS Tughlakabad, won a Bronze Medal in Taekwondo (U-48 Kg) junior male category in the 27th Asian Taekwondo Championship held at Pune, and he was selected for the World Taekwondo Junior Championship to be held in Tashkent, Uzbekistan.

KV Student Becomes FIDE Candidate Master

Samaksh Ashok, a student of KV DRDO, received the Candidate Master title for 2026 from the International Chess Federation (FIDE). This prestigious recognition marks a significant milestone in his chess journey and brings pride to the KV fraternity.

KVian Shines at AI Quiz Competition

Ms. Archana Jaiswal, Assistant Commissioner, KVS RO Lucknow, won the quiz competition at Bharat Bodhan AI conclave 2026, organised by the Ministry of Education, and received angvastram, a momento, and an AI-enabled laptop

50 हजार का सम्मान, इमोन की मेहनत को सलाम

केन्द्रीय विद्यालय अम्बासा के प्रतिभाशाली छात्र इमोन देबबर्मा ने त्रिपुरा बैडमिंटन स्टेट मीट (2025-26) में शानदार प्रदर्शन करते हुए के.वि.सं. को गौरवान्वित किया। इमोन ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा और दृढ़ खेल भावना के बल पर युवा एवं खेल निदेशालय, त्रिपुरा द्वारा ₹50,000 की प्रोत्साहन राशि प्राप्त की।

डॉ. प्रीति रैना ने राष्ट्रीय स्तर पर जीता रजत पदक

केन्द्रीय विद्यालय छतरपुर में पीजीटी भौतिकी की शिक्षिका डॉ. प्रीति रैना ने फरीदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय बेंच प्रेस वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए के.वि.सं. परिवार को एक बार फिर गौरवान्वित किया। उन्होंने अपने कौशल, अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

के.वि. के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित खेलो एमपी स्टेट चैम्पियनशिप में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 जीसीएफ जबलपुर के विद्यार्थी रिव्या और एको ने अपनी खेल भावना का शानदार प्रदर्शन करते हुए के.वि.सं. को गौरवान्वित किया। दोनों विद्यार्थियों ने योग में अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

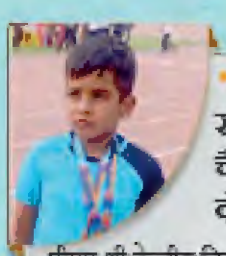

राष्ट्रीय ऑटिज़्म एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नैतिक दर्श बने दोहरे रजत विजेता

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, हिनू के छात्र नैतिक दर्श ने अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर दो रजत पदक जीतकर के.वि.सं. को गौरवान्वित किया। नैतिक ने यह अतुलनीय उपलब्धि 12वीं राष्ट्रीय ऑटिज़्म एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में हासिल की। अपनी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह सफलता अर्जित की।

KVian Shines at APDSF Games

Challa Nakshatra, a special student of PM SHRI KV Picket, shines at the 1st Asia Pacific Down Syndrome Federation (APDSF) Games 2026, Chennai, she won Gold in the 100 m and Silver in the 25 m swimming event.

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

©Kendriya Vidyalaya Sangathan

Shala Dhwani Newsletter

Issue: January-March 2026

Patron: Vikas Gupta,*IAS*, Commissioner, KVS

Chief Editor: Chandana Mandal, Additional Commissioner (Acad)

Editor: Somit Shrivastav, Joint Commissioner (Acad.)

Editorial Incharge: Sachin Rathore, Assistant Editor

Editorial Consultants:

Surbhi Goel, Content Writer

Aman, Content Writer

Sanjana Jangra, Graphic Designer

Published by Additional Commissioner (Acad) on behalf of Kendriya Vidyalaya Sangathan.

Readers can send their comments and suggestion through e-mail at: shaaladhwani@gmail.com

https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ